सतना
20 जून 2026 शनिवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

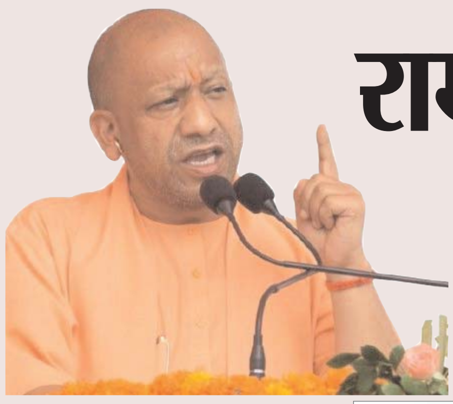

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर योगी बोले- अपराधी कोई हो, नहीं बचेगा

500 साल इंतजार किया, 15 दिन और कर लीजिए

अयोध्या,एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। योगी ने कहा- विपक्ष के लोग राम का नारा लगाने पर गोली चलवाते थे। इनके दोगुले चरित्र को तो देखिए। राम मंदिर बन न पाए, इसके लिए कांग्रेस ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था। सुप्रीम कोर्ट में बेशर्मी के साथ कहा था कि राम तो हुए ही नहीं। वही कांग्रेस आज अयोध्या पर बहुत मचल रही है।

योगी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा: सपा के दोहरे चरित्र को देखो, कहती है कि राम भक्तों का अपमान हुआ है। कारसेवकों और रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले लोग उपदेश देने चले हैं। हमने ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी जांच बैठाई। एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी। मैं सभी से कहूंगा कि कोई भी अनर्गल टिप्पणी न करें, जो रामभक्तों को आहत करे। योगी ने कहा- अगर किसी के पास कोई प्रूफ है तो उसे एसआईटी को दे दे। रामभक्तों से अपील है कि प्रभु श्रीराम ने मर्यादा का पाठ पढ़ाया है। 500 वर्षों तक राम मंदिर के लिए संघर्ष किया। 15 दिन और देख लो, इंतजार कर लो। चिंता मत करो। अयोध्या को बदमान करने वालों के बहकावे में न आएं। धाम को बदनाम न करें। अगर कोई अपराधी है, वह कोई भी होगा, बचेगा नहीं, यह सुनिश्चित है।

अयोध्या धाम को बदनाम न करें, अपराधी बचेंगे नहीं: योगी ने कहा- अयोध्या धाम को बदनाम न करें। अगर कोई अपराधी है, वह कोई भी होगा, बचेगा नहीं, यह सुनिश्चित है। ये लोग हमें क्या बताएंगे। माफियाओं की कब्र पर फातिहा पढ़ते थे। ये लोग आज उपदेश दे रहे हैं। इन लोगों के बहकावे में न आएं।

एसआईटी रिपोर्ट आने तक बयानबाजी न करें... सीएम ने कहा- ये लोग कभी नहीं चाहेंगे अयोध्या का नाम हो। अयोध्या सम्मान पाए। क्योंकि, ये क्षमताविहिन थे। अयोध्या को इन्होंने बिजली नहीं दी। संकरी गलियों में बांध दिया। आज अयोध्या के बारे दुष्प्रचार कर रहे हैं। बहकावे में कतई न आएं। सभी लोगों से अपील है कि एसआईटी रिपोर्ट आने तक बयानबाजी न करें। इससे जांच प्रभावित होती है। जांच के बाद किसी को कुछ कहना होगा तो एसआईटी उसकी बात को सुनेगी, लेकिन अनावश्यक रूप से चरित्र हनन का प्रयास न करें।

योगी बोले- कांग्रेस आज अयोध्या पर बहुत मचल रही: राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। योगी ने कहा- विपक्ष के लोग अयोध्या और राम का नारा लगाने पर गोली चलवाते थे। इनके दोगुले चरित्र को तो देखिए।

अभिजीत दीपके की पीएम मोदी को चिट्ठी
नीट पेपर लीक के पीड़ितों के लिए मांगा एक करोड़ का मुआवजा

नई दिल्ली,एजेंसी। नीट पेपर लीक विवाद के बीच अब सुसाइड मामलों को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बड़ी मांग की है।

दीपके ने पत्र में प्रधानमंत्री मोदी से सुसाइड करने वाले छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग की है। इसके साथ ही, दीपके ने शिक्षा व्यवस्था में विफलता का आरोप लगाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे या उन्हें बर्खास्त करने की मांग की है।

दीपके ने अपने पत्र में दावा किया कि छले एक सप्ताह में 11 नीट उम्मीदवारों ने सुसाइड किया है। सबसे सबसे चिंताजनक बात यह है कि इनमें से पांच दिल दहला देने वाली घटनाएं पिछले 48 घंटों के भीतर हुई हैं। दिपके का आरोप है कि बार-बार होने वाले परीक्षा विवादों से छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है और कई छात्र मानसिक दबाव झेल रहे हैं।

क्या लिखा दीपके ने? कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके ने पत्र में लिखा, 'मैं आज भारी मन से आपको यह पत्र लिख रहा हूं, ताकि आपका ध्यान एक ऐसे गंभीर संकट की ओर आकर्षित कर सकूं, जो हमारे राष्ट्र के भविष्य को ही खतरे में डाल रहा है, हमारे युवा छात्रों के जीवन और मानसिक स्वास्थ्य को खतरे में डाल रहा है।'

आर्थिक बर्बादी का सामना कर रहे पीड़ित परिवार: दीपके ने पत्र में लिखा, 'पिछले दो महीनों में, मैं व्यक्तिगत रूप से उन कई शोकग्रस्त परिवारों से मिला हूं जिनके छात्रों ने आत्महत्या कर ली है। अपने बच्चे को खोने के असहनीय भावनात्मक आघात के अलावा, ये परिवार अब गंभीर और लगातार बिगड़ती आर्थिक बर्बादी का सामना कर रहे हैं।

बेहतर भविष्य की तलाश में, कई परिवारों ने अपने बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए भारी मात्रा में शैक्षिक ऋण लिए थे, जो व्यवस्थागत विफलताओं के कारण बेरहमी से चकनाचूर हो गए। जिन बच्चों की शिक्षा पर उन्होंने अपनी पूरी जमा पूंजी लगा दी थी, उन्हें खो देने के बाद ये परिवार पूरी तरह से बेसहारा हो गए हैं। सरकार को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए आगे आना चाहिए।

इंदौर में तीसरी मंजिल से गिरी नीट छात्रां

» अस्पताल में तोड़ा दम; बड़ी बहन बोली- पेपर लीक को लेकर तनाव में थी

इंदौर,एजेंसी। इंदौर में नीट की तैयारी कर रही छात्रा गुरुवार देर रात तीसरी मंजिल से नीचे आ गिरी। गंभीर हालत में उसे पहले निजी अस्पताल और फिर एमवाय हॉस्पिटल पहुंचाया गया। शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। छात्रा के गिरने का वीडियो भी सामने आया है।

पुलिस के मुताबिक, अवंतिका मौर्य धाकड़ कॉलोनी की एक निजी बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर बड़ी बहन डॉ. सपना मौर्य के साथ रह रही थी। सपना ने बताया कि अवंतिका 3 बार नीट का एक्जाम पास नहीं कर पाई थी। हाल ही में परीक्षा रद्द होने के बाद वह तनाव में थी। कल सामान्य रूप से बातचीत भी नहीं कर रही थी। पूरे दिन काफी चुप-चुप थी। ज्यादातर सवालों के जवाब सिर्फ हां या न में ही दे रही थी। गुरुवार रात करीब 11:30 बजे वह मोबाइल पर चचेरी बहन नैना से बात कर रही थी। इसी दौरान सीढ़ियां चढ़ते हुए छत की तरफ चली गई। फिर नीचे आ गिरी। आवाज सुनकर बिल्डिंग में रहने वाले लोग बाहर आए। एम्बुलेंस और पुलिस को फोन किया।

पिता मेडिकल ऑफिसर, बोले- कैसे गिरी, पता नहीं... अवंतिका मूल रूप से धार जिले की रहने वाली थी। पिता डॉ. बंशीलाल मौर्य खरगोन के भिकनगांव में मेडिकल ऑफिसर हैं। एमवाय अस्पताल में ट्रेनिंग की वजह से पांच दिन पहले ही इंदौर आए थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि घटना के समय वे फ्लैट के अंदर थे। अवंतिका किन परिस्थितियों में गिरी, इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। पिता घायल अवंतिका को लेकर तुरंत जूपिटर अस्पताल लेकर पहुंचे।

हिमाचल के जनजातीय क्षेत्रों में 20% लोगों में यौन संक्रमण के लक्षण

अध्ययन रिपोर्ट में खुलासा- 33% ने कभी कंडोम नहीं अपनाया

» महिलाओं में योनि स्राव की समस्या गंभीर

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में 20 प्रतिशत लोगों में यौन संक्रमण से जुड़े कोई न कोई लक्षण मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चंबा के पांगी व भरमौर, किन्नौर और लाहौल-स्पीति जिले में किए गए सर्वेक्षण में सामने आया है कि जनजातीय क्षेत्रों में यौन संचारित रोग अभी भी एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती हैं।

अध्ययन रिपोर्ट में सुरक्षित यौन व्यवहार को लेकर चिंताजनक स्थिति सामने आई है। 33.1 प्रतिशत लोगों ने बताया कि उन्होंने कभी कंडोम का इस्तेमाल नहीं किया। मात्र 16.8 प्रतिशत लोगों ने हमेशा कंडोम इस्तेमाल करने की बात कही। 61.4 प्रतिशत लोगों ने एक ही जीवनसाथी के साथ संबंध होने की बात कही है।

रिपोर्ट के अनुसार, यौन संचारित रोगों से जुड़े लक्षणों का सबसे अधिक प्रभाव चंबा जिले में 24.2 प्रतिशत लोगों में पाया गया। किन्नौर में 20.1 प्रतिशत और लाहौल-स्पीति में 15.7 प्रतिशत लोगों में संक्रमण से संबंधित लक्षण सामने आए।

केवल 2 प्रतिशत लोगों ने करवाई एचआईवी-हेपेटाइटिस जांच... रिपोर्ट का एक अहम पहलू यह भी है कि एचआईवी और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों की जांच को लेकर जागरूकता बेहद कम है। सिर्फ 2 प्रतिशत लोगों ने कभी एचआईवी या हेपेटाइटिस की जांच करवाई थी।

स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत करने की सिफारिश: रिपोर्ट में जनजातीय क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाने, यौन स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता अभियान चलाने, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां बढ़ाने, गोपनीय जांच सुविधा उपलब्ध करवाने और महिला स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या बढ़ाने की सिफारिश की गई है।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका
अरूप बिश्वास ने बैंक को लिखा पत्र, तृणमूल कांग्रेस का खाता फ्रीज करने की मांग

कोलकाता,एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर जारी विवाद अब पार्टी के वित्तीय मामलों तक पहुंच गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री अरूप बिश्वास ने एक बैंक को पत्र लिखकर तृणमूल के बैंक खाते के संचालन पर तत्काल रोक लगाने का अनुरोध किया है।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी के कोषाध्यक्ष के रूप में उन्होंने विवाद सुलझने तक बैंक से खाते से किसी भी प्रकार की निकासी या संचालन संबंधी अधिकारों में बदलाव नहीं करने की अपील की है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित दो पृष्ठों के इस पत्र की पुष्टि नहीं हो सकी है। अरूप बिश्वास ने भी इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बताया जा रहा है कि गत 12 जून को लिखे गए पत्र में अरूप बिश्वास ने कहा है कि पार्टी के भीतर विभिन्न गुट खुद को वैध नेतृत्व और अधिकृत पदाधिकारी बता रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट नहीं है कि खातों के संचालन का अधिकार किसके पास है। पत्र में आशंका जताई गई है कि अनधिकृत लोग पार्टी फंड का दुरुपयोग कर सकते हैं। साथ ही, पहले से हस्ताक्षरित चेकों के गलत इस्तेमाल और बिना उचित अनुमति के भुगतान किए जाने की भी आशंका भी व्यक्त की गई है।

मालूम हो कि ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल के 58 विधायकों ने अलग गुट बनाकर विधानसभा अध्यक्ष से मान्यता प्राप्त कर ली है। ऋतब्रत को विपक्ष का नेता भी चुना गया है। वहीं, संसद में भी 20 बागी सांसद पार्टी नेतृत्व से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी आफ इंडिया (एनसीपीआइ) में विलय की घोषणा कर चुके हैं।

एक तिहाई वकील फर्जी हैं... सुप्रीम कोर्ट में कानूनी पेशे के लिए राष्ट्रीय डिजिटल रजिस्ट्री की मांग

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में वकालत के पेशे में गंभीर घुसपैठ का मामला सामने आया है। बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, हर तीन में से एक वकील फर्जी है। इस गंभीर मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को संज्ञान लिया और पूरे देश में वकीलों के लिए आधार जैसी डिजिटल रजिस्ट्री बनाने की याचिका पर सुनवाई करने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत में कानूनी पेशों के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल रजिस्ट्री स्थापित करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका पर केंद्र सरकार, बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआइ) और अन्य से प्रतिक्रिया मांगी है। इस रजिस्ट्री में प्रत्येक नामांकित वकील के लिए एक अद्वितीय राष्ट्रीय वकील पहचानकर्ता शामिल होगा, ताकि फर्जी प्रैक्टिशनर्स पर अंकुश लगाया जा सके। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहन की पीठ ने देखा कि यह विचार नवोन्मेषी प्रतीत होता है और इसे प्रौद्योगिकी की मदद से लागू किया जा सकता है।

राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' हस्ताक्षर अभियान

बोले- पेपर लीक, महंगी फीस और बेरोजगारी पर छात्रों की आवाज सरकार तक पहुंचाएंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'छात्रों की गूंज' नाम से देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान शुरू किया। उन्होंने गुरुवार को कहा कि यह अभियान पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ियां, महंगी शिक्षा और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को सरकार तक पहुंचाने का मंच बनेगा। राहुल ने छात्रों से अभियान से जुड़ने, अपने सुझाव देने और याचिका पर हस्ताक्षर करने की अपील की।

राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में अभियान का लिंक साझा किया। लिखा कि जिन छात्रों के सपने पेपर लीक, परीक्षा संबंधी समस्याओं या बढ़ती फीस की वजह से प्रभावित हुए हैं, उनके लिए यह अभियान एक आवाज बनेगा। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा छात्र इसमें शामिल होंगे तो उनकी मांगें उतनी ही मजबूती से सरकार तक पहुंचेंगी। राहुल गांधी ने वीडियो संदेश में कहा कि कोटा में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को देशभर के छात्रों का जबरदस्त समर्थन मिला। लाखों युवाओं ने शिक्षा व्यवस्था पर उनकी प्रस्तुति देखी और अपने विचार साझा किए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, रोजगार और परीक्षा प्रणाली से जुड़े मुद्दे किसी एक राजनीतिक दल के नहीं, बल्कि पूरे देश के मुद्दे हैं। इसलिए छात्रों को खुलकर अपने अनुभव और सुझाव सामने रखने चाहिए।

शिक्षा का बढ़ता खर्च सबसे बड़ी चिंता..

राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा का लगातार बढ़ता खर्च देश के लाखों परिवारों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। लाखों परिवार अपने बच्चों को नीट जैसी परीक्षाओं की तैयारी कराने में भारी रकम खर्च कर रहे हैं। यह स्थिति चिंता का विषय है और इस पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा होनी चाहिए।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दावा किया कि हर साल नीट परीक्षा देने वाले 22 लाख छात्र और उनके परिवार से व्यवस्था के जरिए 1.32 लाख करोड़ खर्च कराए जाते हैं। यह रकम देश के पूरे शिक्षा बजट 1.40 लाख करोड़ के लगभग बराबर है।

प्रियंका गांधी ने बुधवार रात एक्स पोस्ट में यह भी लिखा कि भारत सरकार ने अपने पसंदीदा कारोबारियों के जो ऋण माफ किए, वे 16 लाख करोड़ रुपए हैं। प्रियंका की यह टिप्पणी राहुल गांधी के कोटा दौरे के बाद आई। राहुल ने बुधवार को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के तहत छात्रों से बातचीत में शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते दबावों पर चर्चा की थी।राहुल ने कहा कि भारत की पांच बड़ी परीक्षाओं- नीट, जेईई, एसएससी, यूपीएससी और आरआरबी की तैयारी में छात्र और उनके परिवार हर साल 3.5 लाख करोड़ खर्च करते हैं।

: ब्रीफ बॉक्स :

ईरानी सिंगर को 74 कोड़े की सजा, 2 साल देश छोड़ने पर बैन

तेहरान,एजेंसी। ईरान की मशहूर सिंगर परस्तू अहमदी और उनके साथ काम करने वाले 8 लोगों को ऑनलाइन कॉन्सर्ट के लिए 74-74 कोड़े मारने की सजा सुनाई गई है। उन पर 2 साल तक देश छोड़ने और 2 साल तक किसी भी आर्टिस्टिक एक्टिविटीज पर रोक लगाई गई है। यह सजा ईरान के कोम प्रांत की अदालत ने यूट्यूब पर पब्लिश किए गए एक कॉन्सर्ट के मामले में सुनाई है। अदालत ने आर्टिस्ट पर अश्लील कंटेट पब्लिश करने और सार्वजनिक शालीनता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। यह मामला दिसंबर 2024 का है। उस समय 29 साल की परस्तू अहमदी ने बिना हिजाब पहने यूट्यूब पर एक लाइव कॉन्सर्ट किया था। इस दौरान उन्होंने ईरान का लोकप्रिय देशभक्ति गीत 'अज खूने जवानाने वतन' (मातृभूमि के युवाओं के खून से) गाया था।

गर्लफ्रेंड की बेटी से मिलने जबरन घर में घुसे तेजप्रताप
अनुष्का के भाई आकाश ने एफआईआर कराई; तेजप्रताप बोले- छवि बिगाड़ने की कोशिश

पटना,एजेंसी। तेजप्रताप यादव पर उनकी कथित गर्लफ्रेंड अनुष्का के भाई आकाश ने FIR दर्ज कराई है। आरोप है कि तेजप्रताप ने उनसे कहा है कि अगर उन्हें उनकी पत्नी अनुष्का से मिलने से रोका गया तो उज्जैनी, यानी अनुष्का की बेटी का अपहरण करा दिया जाएगा। साथ ही इसके हिंसक परिणाम भुगतने होंगे।आकाश के आरोपों पर तेजप्रताप ने ङ्क पर सफाई दी है। उन्होंने कहा है कि मेरे ऊपर लगाए गए धमकी और दबाव बनाने के आरोप मनगढ़ंत हैं। मेरे खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत छवि खराब करने की साजिश है।24 मई 2025 को तेजप्रताप के सोशल मीडिया अकाउंट से अनुष्का के साथ तस्वीरें शेयर की गई थीं। पोस्ट में कहा गया था कि हम 12 सालों से रिलेशन में हैं। 5 फरवरी 2026 को अनुष्का यादव को बेटी हुई।

योग दिवस के लिए रेड रोड 7 दिन तक बंद
हाईकोर्ट बोला: सरकार वैकल्पिक रास्तों का इंतजाम करे; यहां ईद के लिए अनुमति नहीं मिली थी

कोलकाता,एजेंसी। कोलकाता के रेड रोड पर 21 जून को योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम होना है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। इसकी तैयारियों के लिए 14 जून से रेड रोड बंद है।

इसके खिलाफ अखिल भारतीय वकील संघ (एआईएलयू) ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में कहा गया कि सड़क बंद होने से वकीलों और आम लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि रेड रोड बंद रहने तक लोगों के लिए वैकल्पिक रास्तों का इंतजाम करें। साथ ही कार्यक्रम खत्म होने के बाद तुरंत ही सड़क खोला जाए। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने रोड बंद करने का विरोध किया है।

सरकार बोली- लोगों को परेशानी नहीं होगी: याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील विकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा- पूरी सड़क बंद करने के बजाय उसका एक हिस्सा खुला रखा जा सकता था। इससे लोगों को लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़ता। राज्य सरकार ने न्यायालय को बताया गया कि योग दिवस का कार्यक्रम आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इलाके में कई वैकल्पिक रास्ते मौजूद हैं। लोगों को परेशानी नहीं होगी। न्यायालय ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके बाद मामले की अगली सुनवाई होगी। हालांकि सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि आदेश में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि कार्यक्रम में शामिल होना अनिवार्य है। राज्य सरकार की ओर से भी कहा गया कि कर्मचारियों से केवल कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया गया है।

कर्मचारियों की मौजूदगी पर भी विवाद... इस बीच पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होने को कहा गया है। इसे लेकर राज्य कर्मचारी संगठनों ने आपत्ति जताई है।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका: अरूप बिश्वास ने बैंक को लिखा पत्र, तृणमूल कांग्रेस का खाता फ्रीज करने की मांग

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर जारी विवाद अब पार्टी के वित्तीय मामलों तक पहुंच गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री अरूप बिश्वास ने एक बैंक को पत्र लिखकर तृणमूल के बैंक खाते के संचालन पर तत्काल रोक लगाने का अनुरोध किया है। सूत्रों के अनुसार, पार्टी के कोषाध्यक्ष के रूप में उन्होंने विवाद सुलझने तक बैंक से खाते से किसी भी प्रकार की निकासी या संचालन संबंधी अधिकारों में बदलाव नहीं करने की अपील की है। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित दो पृष्ठों के इस पत्र की पुष्टि नहीं हो सकी है। अरूप बिश्वास ने भी इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बताया जा रहा है कि गत 12 जून को लिखे गए पत्र में अरूप बिश्वास ने कहा है कि पार्टी के भीतर विभिन्न गुट खुद को वैध नेतृत्व और अधिकृत पदाधिकारी बता रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट नहीं है कि खातों के संचालन का अधिकार किसके पास है। पत्र में आशंका जताई गई है कि अनधिकृत लोग पार्टी फंड का दुरुपयोग कर सकते हैं। साथ ही, पहले से हस्ताक्षरित चेकों के गलत इस्तेमाल और बिना उचित अनुमति के भुगतान किए जाने की भी आशंका भी व्यक्त की गई है।

मालूम हो कि ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल के 58 विधायकों ने अलग गुट बनाकर विधानसभा अध्यक्ष से मान्यता प्राप्त कर ली है। ऋतब्रत को विपक्ष का नेता भी चुना गया है। वहीं, संसद में भी 20 बागी सांसद पार्टी नेतृत्व से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी आफ इंडिया (एनसीपीआइ) में विलय की घोषणा कर चुके हैं। इस बीच, बागी खेमे के विधायक कन्हैयालाल अग्रवाल ने कहा कि यदि पार्टी के कोषाध्यक्ष को फंड के दुरुपयोग की आशंका है तो बैंक से खातों पर रोक लगाने का अनुरोध करना उनके अधिकार क्षेत्र में आता है। मालूम हो कि गत पांच जून को तृणमूल ने पार्टी संगठन में फेरबदल करते हुए अरूप की जगह पूर्व सांसद शुभाशीष चक्रवर्ती को नया कोषाध्यक्ष नियुक्त किया था जबकि अरूप ने पार्टी के कोषाध्यक्ष के तौर पर बैंक को पत्र लिखा है।

खाते में 675 करोड़ रुपये: तृणमूल का खाता एक निजी बैंक की सेंट्रल प्लाजा शाखा में है। चुनाव आयोग को सौंपे गए पार्टी के आडिट दस्तावेजों के अनुसार इस खाते में लगभग 675 करोड़ रुपये जमा हैं। इस बारे में शुभाशीष चक्रवर्ती ने पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। मैं राज्य संगठन का कोषाध्यक्ष हूं जबकि अरूप अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के कोषाध्यक्ष थे। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य और अखिल भारतीय तृणमूल के अलग-अलग बैंक खाते हैं तो उन्होंने जवाब दिया कि खाता केवल एक ही है।

मेसी प्रकरण में थाने में हाजिर हुए अरूप

अदालत परिसर में अंडों की बौछार साल्टलेक स्टेडियम में अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबालर लियोन मेसी के कार्यक्रम में हुई अव्यवस्था के मामले में पूर्व खेल मंत्री अरूप बिश्वास तीन नोटिस के बाद अंतत: गुरुवार सुबह बिधाननगर दक्षिण थाने में हाजिर हुए। पुलिस ने उनसे करीब साढ़े तीन घंटे पूछताछ की। अरूप को आगामी 22 जून को फिर तलब किया गया है। उन्हें संबंधित दस्तावेज साथ लाने को कहा गया है। पूछताछ के बाद मीडिया से अरूप ने कहा कि इस मामले में उन्हें जो भी कहना है, अदालत में कहेंगे। थाने में पूछताछ के बाद अरूप वहां से अलीपुर अदालत परिसर में स्थित अपने अधिवक्ता के कक्ष में पहुंचे। वहां अधिवक्ताओं के एक वर्ग व कुछ लोगों ने कक्ष को घेरकर चोर-चोर के नारे लगाए। अरूप तीन घंटे बाद पुलिस के घेरे में कक्ष से निकले और अपनी कार में पहुंचे। उस दौरान उन पर अंडों की बौछार हुई। मालूम हो कि पिछले 13 दिसंबर को साल्टलेक स्टेडियम में अरूप समेत कुछ लोगों ने ग्राउंड पर मेसी को इस कदर घेर रखा था कि महंगे टिकट खरीदने के बावजूद दर्शक उन्हें देख नहीं पाए थे। इसके बाद उन्होंने सॉल्टलेक स्टेडियम में तोड़फोड़ की थी। इसी मामले में अरूप से पूछताछ चल रही है।

दुर्घटना की शिकार महिला की मदद को दी अपनी धोती, 'हीरो' बना चायवाला

कोच्चि, एजेंसी। केरलम के त्रिपुनिथुरा क्षेत्र में एक चाय विक्रेता द्वारा दिखाई गई संवेदनशीलता और मानवता की भावना की हर तरफ सराहना हो रही है। सड़क दुर्घटना में घायल हुई एक महिला की मदद के लिए स्थानीय चाय विक्रेता एमआर शाजी ने जो कदम उठाया, उसने लोगों का दिल जीत लिया है। वह इंटरनेट मीडिया में 'हीरो' बन गया है। यह घटना मंगलवार को त्रिपुनिथुरा के स्टैच्यू जंक्शन पर हुई, जहां एक महिला अचानक एक निजी बस के नीचे गिर गई। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गनीमत रही कि महिला की जान बच गई, हालांकि उसे चोटें आई थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बचाव कार्य के दौरान पता चला कि दुर्घटना में महिला के कपड़े फट गए थे। ऐसे में मौके पर मौजूद चाय विक्रेता एमआर शाजी ने बिना देर किए अपनी 'मुंडू' (पारंपरिक धोती) उतारकर महिला को दे दी, ताकि वह स्वयं को ढक सके और सम्मानपूर्वक अस्पताल पहुंचाई जा सके। शाजी ने पत्रकारों को बताया कि महिला गंभीर रूप से घायल थी और अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो पा रही थी। उन्होंने कहा कि परिस्थिति को देखते हुए उन्होंने बिना किसी झिझक के अपनी धोती महिला को दे दी। घटना का पूरा दृश्य पास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। इंटरनेट मीडिया पर वीडियो प्रसारित होने के बाद लोग शाजी की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। कई लोगों ने उनकी इस पहल को इंसानियत, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि संकट की घड़ी में शाजी का यह छोटा-सा कदम मानवता की बड़ी मिसाल बन गया।

गाजियाबाद में पीएम सूर्य घर योजना की धीमी रफ्तार, लक्ष्य का केवल 11.5 प्रतिशत हासिल

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की रफ्तार अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रही है। मार्च 2027 तक 62,628 घरेलू उपभोक्ताओं के घरों पर रूफटाप सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य तय किया गया था, लेकिन अब तक केवल 7,195 उपभोक्ता ही योजना से जुड़ सके हैं। यह कुल लक्ष्य का करीब 11.5 प्रतिशत है। ऐसे में विद्युत निगम के सामने निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूरा करने की चुनौती खड़ी हो गई है। विद्युत निगम के आंकड़ों के अनुसार, जोन-प्रथम में 15,434 घरों पर सोलर संयंत्र लगाने का लक्ष्य है, जबकि अब तक 2,622 उपभोक्ता ही इससे जुड़ पाए हैं। जोन-द्वितीय में 21,587 के लक्ष्य के सापेक्ष 2,677 और जोन-तृतीय में 25,607 के मुकाबले केवल 1,896 घरों पर ही सोलर संयंत्र स्थापित हो सके हैं। योजना को गति देने के लिए विद्युत निगम ने फील्ड अधिकारियों को सक्रिय किया है। मुख्य अभियंता ने उपखंड अधिकारियों, अवर अभियंताओं और कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि बड़े आवासों और अधिक बिजली खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं की पहचान कर उन्हें योजना के लाभों से अवगत कराया जाए। प्रत्येक उपखंड अधिकारी को अपने क्षेत्र में प्रति माह कम से कम 20 उपभोक्ताओं को सोलर संयंत्र लगवाने के लिए प्रेरित करने का लक्ष्य दिया गया है। निगम का कहना है कि आवेदन स्वीकृत होने के बाद भी कई मामलों में वेंडरों की ओर से संयंत्र स्थापित नहीं किए जा रहे हैं। जिले में 2,463 स्वीकृत मामलों में अभी तक स्थापना लंबित है। इनमें जोन-प्रथम के 517, जोन-द्वितीय के 1,523 और जोन-तृतीय के 423 उपभोक्ता शामिल हैं। वहीं, सोलर संयंत्र स्थापना के मामले में मोदीनगर और मुरादनगर क्षेत्र सबसे आगे हैं। यहां 2,322 घरों में सोलर संयंत्र लग चुके हैं और उपभोक्ता सौर ऊर्जा से बिजली का उपयोग कर रहे हैं। योजना को गति देने के लिए सभी उपखंड अधिकारियों को लक्ष्य दिए गए हैं। बड़े आवासों और अधिक बिजली खपत वाले उपभोक्ताओं को सेलर संयंत्र लगाने के लिए प्रेरित किए जा रहा है।

आवास योजना लाभार्थियों को सस्ती रेत देगी सरकार, अगले महीने से शुरू होगी नई व्यवस्था

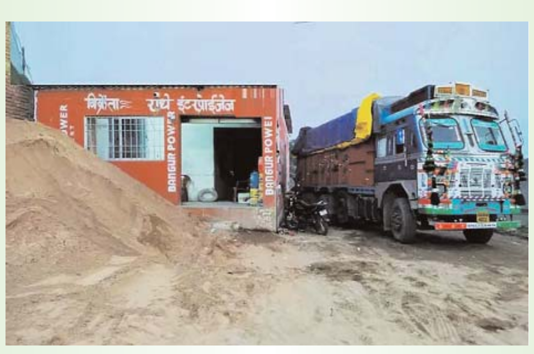

कोलकाता, एजेंसी। राज्य में निर्माण सामग्री की आसमान छूती कीमतों और बिचौलियों के आतंक से परेशान प्रधानमंत्री आवास योजना के गरीब लाभार्थियों के लिए राज्य सरकार ने एक अहम निर्णय लिया है। सरकार ने बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में मकान बना रहे गरीब परिवारों को बाजार दर से काफी कम कीमत पर सीधे रेत (बालू) उपलब्ध कराने की मुकम्मल व्यवस्था की है। इस जनकल्याणकारी योजना को धरातल पर उतारने के लिए विस्तृत सर्वेक्षण का काम पूरा कर लिया गया है, और आगामी माह से प्राथमिक तौर पर बीरभूम जिले के लगभग 11 ब्लॉकों में इस नई व्यवस्था की शुरुआत कर दी जाएगी, जिसे बाद में क्रमिक रूप से पूरे राज्य में लागू करने की योजना है। बीरभूम के सूरी-एक ब्लाक में आयोजित एक जन कल्याण शिविर को संबोधित करते हुए राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री व जिले विधायक जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। इस दौरान पारदर्शी व्यवस्था का उल्लेख करते हुए मंत्री ने चौकाने वाले आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि सिंडिकेट राज और 'फर्जी चालान' के खिलाफ मुख्यमंत्री के कड़े निर्देशों के बाद प्रशासनिक मुस्तैदी का नतीजा है कि बीरभूम के महज 10 पत्थर चेक गेटों से पिछले एक महीने (17 मई से 16 जून) के भीतर 72 करोड़ 78 लाख रुपये का रिकार्ड राजस्व सरकारी खजाने में जमा हुआ है। बकरीद के त्योहार की छुट्टियों के कारण इस राजस्व में थोड़ी कमी देखी गई, अन्यथा आगामी महीनों में इस आंकड़े के 100 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक मील के पत्थर को छूने का पूरा अनुमान है। पिछली सत्ता पर भ्रष्टाचार का सीधा आरोप मढ़ते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि पहले के दौर में जब भी चुनाव आते थे, तो विकास का पैसा सरकारी तंत्र से लूटकर सीधे तृणमूल कांग्रेस के कोष में डाइवर्ट कर दिया जाता था, जिसके कारण मासिक राजस्व संग्रह महज नौ से 22 करोड़ रुपये के बीच सिमट कर रह जाता था। मंत्री ने अवैध कारोबारियों को सख्त चेतावनी दी कि जो भी अवांछित तत्व ट्रकों में पत्थरों के ऊपर धूल की परत बिछाकर टैक्स चोरी या अवैध तस्करी का प्रयास करेंगे, उन्हें पकड़े जाने पर दोगुना जुर्माना भरना पड़ेगा।

रंगदारी नहीं दी तो फूटेगा दूसरा बम', शिकंजे में फंसा फरीदाबाद का व्यापारी

गैंगस्टर को विदेश में पहुंचाए थे नंबर

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में रंगदारी नहीं दी तो जल्दी फूटेगा दूसरा बम, यही वो लाइन है जिसने शहर में कारोबारियों से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस जांच की दिशा तय की और मुख्य सूत्रधार दीपक गोयल पर शिकंजा कसा गया। शहर में एक महीने पहले एक के बाद एक आठ कारोबारियों के पास विदेशी नंबर से रंगदारी की कॉल आई थी। काल करने वाले ने खुद को गैंगस्टर रणदीप मलिक लारेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताया था।

पुलिस ने कॉल को ट्रेस करना शुरू किया: इस तरह लगातार कॉल से पुलिस भी सकते में आ गई। कारोबारियों को सुरक्षा प्रदान कर दी गई। सेक्टर आठ थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने कॉल को ट्रेस करना शुरू कर दिया और यह लगभग तय हो गया कि रंगदारी विदेश में बैठे गैंगस्टर रणदीप मलिक ने ही मांगी है। इसके बाद पुलिस के सामने उस व्यक्ति को ढूंढने की चुनौती थी जिसने कारोबारियों के नंबर और नाम पते गैंग्सटरों तक पहुंचाए। पुलिस

लगातार तकनीक के आधार पर मोबाइल नंबरों को खंगाल रही थी, इसी दौरान एक क्लू मिला। दरअसल, इस मामले का मुख्य सूत्रधार सेक्टर नौ निवासी व्यापारी दीपक गोयल अपने कारोबारी मित्रों के साथ रात में पार्टी कर रहा था। इस दौरान रंगदारी मांगे जाने की बात छिड़ गई। दीपक गोयल ने वहां मौजूद व्यापारी और कारोबारियों के बीच कह दिया कि रंगदारी नहीं दी तो जल्दी दूसरा बम फूटेगा। यह बात वहां मौजूद किसी कारोबारी ने पुलिस तक पहुंचा दी। पुलिस ने दीपक गोयल पर नजर रखना शुरू कर दिया। उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं तो हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने बता दिया कि उसने ही आइबी के सब इंस्पेक्टर सिकंदर को शहर के कारोबारियों की डिटेल दी थी। सिकंदर ने यह डिटेल आगे गैंगस्टर तक पहुंचाई। जिसके बाद रंगदारी मांगे जाने का सिलसिला शुरू हुआ। फिलहाल दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेज चुकी है।

कारोबार में घाटे के बाद गलत रास्ते पर चला दीपक गोयल

दीपक गोयल फतेहपुर बिल्लोच गांव का रहने वाला है और उनका ईंट-भट्ठों का पुराना काम है। शुरुआत में दीपक गोयल की आर्थिक स्थिति ठीक थी। उसने रियल एस्टेट ग्रुप एसआरएस और पीयूष में काफी पैसा निवेश किया था। साल 2015 के आस-पास इन दोनों ग्रुप को तगड़ा झटका लगा और दोनों डूब गए। इससे दीपक की आर्थिक हालत भी खराब हो गई और उसके ऊपर कर्जा हो गया। कर्जे से बाहर आने के लिए वह गलत रास्ते पर चल पड़ा। कुछ समय पहले जुआ खिलवाने में भी उसका नाम सामने आया था। एक प्लाट की खरीद बिक्री के सिलसिले में उसकी पहचान आइबी के सब इंस्पेक्टर सिकंदर से हुई थी। वहीं से दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो ।

नोएडा श्रमिक हिंसा में शामिल आकृति, रूपेश समेत 9 आरोपियों पर दो और केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा की सेक्टर-63 कोतवाली पुलिस ने अप्रैल में मांगों को लेकर हुए श्रमिक हिंसा में शामिल नौ आरोपितों के खिलाफ और दो केस दर्ज किए गए हैं। एसीजेएम द्वितीय रवि सागर की अदालत में बृहस्पतिवार को पुलिस की तरफ से आरोपितों से पूछताछ के लिए न्यायिक हिरासत की मांग को लेकर अर्जी दायर की गई है। अदालत ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि श्रमिक हिंसा के मामले में नोएडा के सेक्टर- 63 व फेज दो कोतवाली में श्रमिक हिंसा के दौरान आगजनी, तोड़फोड़, जाम, पथराव की घटना आरोपितों द्वारा अंजाम दी गई थी। पुलिस ने इंटरनेट मीडिया और जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आरोपितों पर मुकदमा दर्ज किया था। नोएडा सेक्टर- 63 कोतवाली में आकृति, रूपेश, सृष्टि व मनीषा समेत कई आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज था। पूर्व में पुलिस आकृति, रूपेश, सृष्टि व मनीषा को न्यायिक हिरासत में लेकर पूछताछ कर चुकी है।

न्यायिक हिरासत की मांग की: आरोपी पक्ष के अधिवक्ता रजनीश यादव के मुताबिक, पुलिस ने अब आकृति, रूपेश, सृष्टि व मनीषा समेत नौ आरोपितों के खिलाफ दो और केस दर्ज किए हैं। अब तक गौमतबुद्ध नगर कमिशनरेट पुलिस इन आरोपितों के खिलाफ 10 मुकदमे दर्ज कर चुकी है। नए दर्ज दो केस में बृहस्पतिवार सेक्टर-63 कोतवाली के विवेचक ने अर्जी दाखिल कर अदालत से आरोपितों की न्यायिक हिरासत की मांग की है।

समझौते पर खामेनेई का पहला बयान, कहा- ट्रंप को मजबूरी में करना पड़ा एमवयू

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की पुष्टि करते हुए एक खास पोस्ट में कहा कि यह समझौता ईरान की उत्सुकता से नहीं, बल्कि अमेरिका की मजबूरी की वजह से हुआ है। खामेनेई ने अपने पोस्ट में लिखा, 'जैसा कि आपको बताया गया है, ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।' ईरानी अधिकारियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए ईमानदारी से काम किया था, लेकिन अमेरिकी पक्ष ने ही सबसे अधिक जोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ही मजबूरी में आकर इसे अंजाम देने के लिए हर तरह के दबाव और तरीकों का इस्तेमाल किया।

समझौते पर थी आपत्ति, फिर भी क्यों दी मंजूरी: खामेनेई ने माना कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस समझौते

को लेकर कुछ आपत्तियां थीं। उन्होंने कहा, 'सिद्धांत के तौर पर मेरी राय अलग थी,' लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने ईरानी राष्ट्र और 'रेसिस्टेंस फ्रंट' (प्रतिरोध मोर्चा) के अधिकारों की रक्षा करने के ईरानी राष्ट्रपति के वादे के आधार पर अपनी मंजूरी दे दी।

अमेरिका ने सीमा लांघी तो नहीं झुकेगा ईरान: हालांकि खामेनेई ने इस पोस्य में यह भी कहा कि अगर अमेरिका तय की गई बातों से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो ईरान झुकेगा नहीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर अमेरिकी पक्ष हद से ज्यादा मांगें रखने की कोशिश करेगा, तो वे उन्हें नहीं मानेंगे। उन्होंने खुद को 'विनम्र सेवक' बताते हुए सीधे अपने देश को संबोधित किया और ईरानियों से तय शर्तों के पूरा होने का इंतजार करने को कहा।

जिनेवा वार्ता पर भी बनी सहमति

औपचारिक हस्ताक्षर मूल रूप से शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाले थे। तेहरान ने पुष्टि की कि जिनेवा में होने वाली नियोजित बैठक तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। इस दस्तावेज़ का औपचारिक शीर्षक 'संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' है। इसमें लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग की गई है। इस शर्तों के तहत अमेरिका ने 30 दिनों के भीतर ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी हटाने का वादा किया है।

क्या फिर भड़केगी जंग की आग आईडीएफ ने लेबनान में ताबड़तोड़ हमले किए वेंस का जिनेवा दौरा टला

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल की सेना ने दक्षिणी लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इस हवाई हमले के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या इस्राइल अमेरिका और ईरान के बीच हुए इस्लामाबाद समझौते को ठेंगा दिखा रहा है। अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में जानिए इस क्षेत्र से जुड़े तमाम अपडेट्स ईरान का कहना है कि दक्षिणी लेबनान पर इस्राइल के हमले बंद होने के साथ कब्जा भी खत्म होना चाहिए। दूसरी तरफ इस्राइल का कहना है कि ईरान समर्थित शिया मिलिशिया हिजबुल्लाह के कारण खतरा बना हुआ है। इस कारण सेना पीछे नहीं हटेगी। इस्राइल की दलील है कि हिजबुल्ला से लड़ने के लिए उसे पूरी आजादी चाहिए, क्योंकि इसके लड़ाके उत्तरी इस्राइल पर हमले करते रहे हैं।

जिनेवा में होने वाली बातचीत क्यों टली: बातचीत टलने की यह खबर तब आई जब हिजबुल्ला से राजनीतिक रूप से जुड़े पैन-अरब सैटेलाइट चैनल 'अल-मायादीन' पर इससे जुड़ी

खबर प्रसारित हुई।

इसमें बताया गया कि लेबनान में इस्राइल के सैन्य अभियान की वजह से ईरान अपना प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड भेजने में देरी कर रहा है।

111 दिनों की जंग में कितना नुकसान हुआ

इसी साल 28 फरवरी को शुरू हुई जंग में इस्राइल ने अमेरिका के साथ मिलकर तेहरान में कई ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। बीते 111 दिनों की लड़ाई के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत अधिकांश उच्च पदस्थ लोगों की जान गई। बाद में अमेरिका और ईरान के बीच शांति बहाल करने को लेकर बातचीत शुरू हुई। इसमें इस्राइल की तरफ से लगातार किए जा रहे हमले का मुद्दा अहम रहा है। लेबनान में इस्राइली सेना की कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया में तनाव फिर से भड़कने की आशंका है। दरअसल, 111 दिनों के संघर्ष के बाद ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर समझौता हुआ है। इस्लामाबाद एमओयू के नाम से हुए इस समझौते को मानने से इस्राइल ने इनकार कर दिया है।

यूएन से आई चौंकाने वाली रिपोर्ट: युद्धों में बच्चों पर टूटा कहर, पहली बार सरकारी सेनाएं बनीं सबसे बड़ी दोषी

न्यूयार्क, एजेंसी। संघर्ष और युद्ध क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दुनिया भर में करीब 25,000 बच्चे हत्या, यौन हिंसा, अपहरण और जबरन लड़ाई में भर्ती किए जाने जैसे गंभीर अपराधों का शिकार हुए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 30 वर्षों में पहली बार सरकारी सेनाएं बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाई गई हैं।

लगातार चौथे साल बढ़े बच्चों के खिलाफ अपराध: ह की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों के खिलाफ दर्ज गंभीर उल्लंघनों की संख्या लगातार चौथे वर्ष बढ़ी है। वर्ष 2025 में ऐसे 38,558 मामले सत्यापित किए गए, जिनमें बच्चों की हत्या, अपहरण, स्कूलों और अस्पतालों पर हमले तथा मानवीय सहायता रोकने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

24 हजार से ज्यादा बच्चे हुए प्रभावित: रिपोर्ट में बताया गया है कि

कुल 24,174 बच्चे इन घटनाओं से प्रभावित हुए। इनमें लगभग एक-तिहाई लड़कियां थीं। कई बच्चों को एक साथ कई तरह की हिंसा और अत्याचारों का सामना करना पड़ा।

30 साल में पहली बार बदली तस्वीर: संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों पर होने वाले अत्याचारों की निगरानी शुरू होने के तीन दशक बाद पहली बार सरकारी बल अधिकांश गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं। पहले आमतौर पर सशस्त्र विद्रोही और आतंकी समूह ऐसे मामलों में प्रमुख दोषी माने जाते थे।

इस्राइली सेना सबसे ऊपर, कांगो दूसरे नंबर पर: रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 के दौरान सबसे ज्यादा 12,445 उल्लंघन इस्राइली सेना और उससे जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों के खाते में दर्ज किए गए। इसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में 4,114 मामले सामने आए। म्यांमार, सोमालिया और नाइजीरिया के विभिन्न सशस्त्र समूहों द्वारा भी 2,000 से अधिक गंभीर उल्लंघन किए गए। सूची में सूडान, दक्षिण सूडान, सीरिया और यूक्रेन में रूसी सैन्य बलों का भी उल्लेख है।

बच्चों की मौत और चोट के मामलों में भी सरकारी बल आगे: रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सेनाएं 6,266 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार पाई गई। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है। वहीं 7,958 बच्चों के घायल होने की पुष्टि हुई है।

गाजा में हजारों बच्चों की मौत

संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि गाजा में इस्राइल सैन्य कार्रवाई के दौरान 2,668 फ़िलिस्तीनी बच्चों की मौत हुई। इसके अलावा पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में 55 बच्चों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गाजा में 4,588 अतिरिक्त बच्चों की मौत और 346 इस्राइल बच्चों के घायल होने की खबरों की जांच अभी जारी है।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई गहरी चिंता

संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का पैमाना बेहद चिंताजनक है और अब केवल चिंता जताने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने सदस्य देशों से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की।

आखिर क्यों बढ़ रहे हैं ऐसे मामले

विशेषज्ञों के मुताबिक, युद्ध की बदलती प्रकृति इसकी बड़ी वजह है। अब लड़ाइयां खुले मैदानों के बजाय घनी आबादी वाले शहरों और बस्तियों में लड़ी जा रही हैं। ड्रोन, मिसाइलों और भारी विस्फोटक हथियारों के बढ़ते इस्तेमाल से बच्चों पर खतरा और बढ़ गया है। हजारों बच्चों को जबरन बनाया गया लड़ाका रिपोर्ट के अनुसार, 6,607 बच्चों को जबरन भर्ती कर युद्ध में इस्तेमाल किया गया। सबसे ज्यादा मामले कांगो, नाइजीरिया, हैती, सोमालिया और कोलंबिया में दर्ज हुए।

छत्रसाल स्टेडियम में मनाया जाएगा 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन सीधी के तत्वावधान में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 जून 2026 को प्रात: 6 बजे से छत्रसाल स्टेडियम, सीधी में किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर अपील की जा रही है। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे जबकि विधायक रीती पाठक कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी इसके अतिरिक्त विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक, विधायक चुरहट अजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू रामजी सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष काजल वर्मा, जनपद पंचायत अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह परिहार एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जिला प्रशासन द्वारा सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें साथ ही आम नागरिकों से भी अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में सहभागिता करने की अपील की गई है ताकि योग दिवस को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया जा सके। कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया है कि वे ढीले एवं आरामदायक वस्त्र पहनकर निर्धारित समय पर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचें साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नागरिकों से सामूहिक अथवा साझा वाहन के माध्यम से आने की अपील की गई है।

महिलाएं आगे बढ़ेंगी तो परिवार और समाज दोनों होंगे समृद्ध: कलेक्टर विकास मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने तथा ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में 'लखपति दीदी इनिशिएटिव' अंतर्गत जिला स्तरीय संचालन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर विकास मिश्रा ने की। बैठक में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को विभिन्न शासकीय योजनाओं, तकनीकी विशेषज्ञता और संसाधनों के अभिसरण के माध्यम से आय सृजन गतिविधियों से जोड़ने पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक का मुख्य उद्देश्य संभावित लखपति दीदियों को चिन्हित कर उन्हें

उद्यमिता, प्रशिक्षण और विपणन से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था विभिन्न विभागों को निर्देश दिए गए कि वे अपने संसाधनों का समन्वित उपयोग करते हुए अधिक से अधिक महिलाओं को लाभान्वित करें और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य करें कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि महिलाओं को केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं बल्कि विकास की सहभागी और परिवर्तन की वाहक के रूप में स्थापित करना आवश्यक है उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीकी जानकारी तथा बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि वे सफल उद्यमी बन सकें उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा उन्हें प्रभावी विपणन व्यवस्था से जोड़ा जाए इसके लिए स्थानीय, जिला एवं क्षेत्रीय स्तर के हाट-बाजारों सहित अन्य विपणन मंच उपलब्ध कराए जाएं जिससे उनके उत्पादों को उचित मूल्य मिल सके और उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो कलेक्टर ने कहा कि योजनाओं का मूल्यांकन केवल गतिविधियों के आधार पर नहीं बल्कि परिणामों के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को ऐसे व्यवसायों से जोड़ा जाए जिनकी बाजार में वास्तविक मांग हो तथा जो उन्हें स्थायी आय प्रदान कर सकें उन्होंने यह भी कहा कि जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे परिवार, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज के समग्र विकास पर पड़ता है। बैठक में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ सरल एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए इसके लिए विभागीय समन्वय को मजबूत करते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने तथा पात्र महिलाओं तक योजनाओं की शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान लखपति दीदी अभियान के लक्ष्यों, संभावनाओं तथा विभिन्न विभागों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई अधिकारियों ने महिलाओं को उद्यमिता, कौशल विकास, वित्तीय साक्षरता, उत्पाद निर्माण, ब्रांडिंग एवं विपणन से जोड़ने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह सोलंकी, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा, जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र सिंह सहित महिला एवं बाल विकास, ग्रामीण आजीविका मिशन, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, उद्योग एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जनरल परेड में एसपी ने परखा पुलिस अनुशासन

सिंगरौली पुलिस लाइन में निरीक्षण, कार्यकुशलता और जनसेवा पर दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। पुलिस लाइन सिंगरौली में शुक्रवार को आयोजित जनरल परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक शियाज के.एम. (IPS) ने पुलिस बल की अनुशासन, कार्यकुशलता और तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया इस अवसर पर परेड में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अनुशासित ढंग से ड्रिल प्रदर्शन किया और एसपी को सलामी दी निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने टोलीवार परेड, टर्न आउट, वर्दी की साफ-सफाई, चाल-ढाल, कमांड और ड्रिल की गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया उन्होंने सभी टोली कमांडरों से क्रमवार सलामी ली और परेड की समग्र व्यवस्था का मूल्यांकन किया इस दौरान उन्होंने आवश्यक सुधारों को लेकर मौके पर ही दिशा-निर्देश भी दिए परेड के पश्चात पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया उन्होंने कहा कि जनरल परेड पुलिस बल के अनुशासन, एकता, सजगता और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक होती है प्रत्येक पुलिसकर्मी का व्यवहार, समयपालन और वर्दी की स्वच्छता विभाग की गरिमा को दर्शाती है इसलिए सभी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस बल का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा और सुरक्षा सुनिश्चित करना है ऐसे में प्रत्येक पुलिसकर्मी को आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाना चाहिए और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए एसपी ने समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने और वर्दी की गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया इस अवसर पर उत्कृष्ट टर्न आउट, अनुशासन और श्रेष्ठ परेड प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अच्छे कार्यों को प्रोत्साहन देने से पुलिस बल में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मविश्वास और सेवा भावना को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने टीम भावना को मजबूत करने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की छवि जनता के विश्वास पर आधारित होती है जिसे बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जनरल परेड के माध्यम से पुलिस बल की तैयारी, अनुशासन और कार्यक्षमता का प्रभावी प्रदर्शन देखने को मिला कार्यक्रम में सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर परेड को सफल बनाया।

शादी से एक दिन पहले युवती ने फांसी लगाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र के ग्राम कर्थुआ बहेरा में 19 साल की एक युवती ने फांसी लगा ली अपनी शादी से ठीक एक दिन पहले उसने सुसाइड कर लिया इसके बाद शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं और पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया है मृतक युवती की पहचान कर्थुआ बहेरा निवासी मेवालाल प्रजापति की 19 वर्षीय बेटी भाजपा प्रजापति के रूप में हुई है परिजन के मुताबिक, युवती की शादी आज (शुक्रवार, 19 जून) सरई थाना क्षेत्र के रहने वाले एक युवक से होनी थी घर में मेहमान आ चुके थे और शादी की तैयारियां आखिरी दौर में थीं, लेकिन इस खौफनाक कदम ने सब कुछ उजाड़ दिया।

दूल्हे और दुल्हन की उम्र में था 17 साल का अंतर: घटना की खबर मिलते ही चितरंगी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा थाना प्रभारी सुदेश तिवारी ने बताया कि शुरुआती जांच में यह मामला आत्महत्या का ही लग रहा है पुलिस की जांच में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है कि जिस युवक से लड़की की शादी होने वाली थी, उसकी उम्र करीब 36 साल है। यानी दूल्हे और दुल्हन की उम्र में लगभग 17 साल का बड़ा अंतर था।

पुलिस कर रही है हर एंगल से जांच: पुलिस अब इस बात का पता लगा रही है कि कहीं उम्र का यह बड़ा फासला ही तो इस आत्मघाती कदम की वजह नहीं बना।

आंधी-तूफान से टूटी बिजली लाइन, चार गांवों की सप्लाई ठप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन जनपद पंचायत क्षेत्र में शुक्रवार सुबह आए तेज आंधी-तूफान ने विद्युत व्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया ग्राम पड़खुरी के समीप तेज हवाओं के कारण एक बड़ा पेड़ बिजली लाइन पर गिर गया, जिससे तीन विद्युत पोलों की केबल टूटकर जमीन पर आ गिरी इस घटना के बाद चार गांवों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। बिजली लाइन क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को घंटों तक परेशानियों का सामना करना पड़ा जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान शुरू हो गया। इसी दौरान ग्राम पड़खुरी के पास एक पेड़ बिजली लाइन पर गिर गया। पेड़ के भार और तेज झटके के कारण तीन पोलों के बीच लगी विद्युत केबल टूटकर जमीन पर गिर गई बिजली के तार जमीन पर गिरते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के बाद ग्रामीणों में करंट फैलने और किसी बड़े हादसे की आशंका को लेकर दहशत फैल गई स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजली विभाग को इसकी सूचना दी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने संबंधित फीडर की बिजली आपूर्ति तत्काल बंद कर दी जिससे संभावित दुर्घटना को टाला जा सका आंधी-तूफान के कारण ग्राम पड़खुरी, कुड़िया, आमडाड और मलदेवा सहित आसपास के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई ग्रामीणों के अनुसार सुबह करीब 10 बजे से बिजली बंद है गर्मी और उमस के बीच बिजली न रहने से लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है घरों में पेयजल की आपूर्ति प्रभावित हुई है वहीं बिजली से संचालित अन्य घरेलू उपकरण भी बंद पड़े हैं ग्रामीण पुष्पेंद्र कुशवाहा ने बताया कि तेज हवा के दौरान अचानक पेड़ बिजली लाइन पर गिर गया था इससे तार टूटकर नीचे आ गए और क्षेत्र में खतरे की स्थिति बन गई उन्होंने कहा कि यदि समय रहते बिजली विभाग को सूचना नहीं दी जाती तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था। ग्रामीणों ने विभाग की तत्परता की सराहना करते हुए जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। बिजली विभाग के अधिकारी जय सत्य प्रकाश शाह ने बताया कि सूचना मिलते ही संबंधित क्षेत्र की बिजली आपूर्ति एहतियात के तौर पर बंद कर दी गई थी उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त लाइन की मरम्मत के लिए पांच सदस्यीय तकनीकी टीम को मौके पर भेजा गया है टीम युद्धस्तर पर कार्य कर रही है और टूटे हुए तारों तथा अन्य उपकरणों को बदलने का काम जारी है अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मरम्मत कार्य पूरा किया जा रहा है मौसम अनुकूल रहने पर जल्द ही प्रभावित गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएग।

मऊगंज पुलिस पर गंभीर आरोप:

फर्जी शिकायतों का मामला उजागर

सीएम हेल्पलाइन में 21 मोबाइल नंबरों से 233 शिकायतें दर्ज, उच्च स्तरीय जांच के आदेश

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज, (निप्र)। जिले की पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है, जिसमें आरोप है कि सीएम हेल्पलाइन-181 में रैंकिंग सुधारने के लिए पुलिसकर्मियों द्वारा स्वयं शिकायतकर्ता बनकर फर्जी शिकायतें दर्ज कराई गईं और बाद में उन्हें त्वरित समाधान दिखाकर बंद भी कर दिया गया इस खुलासे के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है पड़ताल में सामने आया कि मात्र 21 मोबाइल नंबरों के माध्यम से 233 शिकायतें दर्ज की गईं हैरान करने वाली बात यह है कि इनमें कई मामलों में कुछ ही मिनटों के भीतर अलग-अलग गंभीर प्रकृति की शिकायतें अपलोड की गईं और जल्द ही उन्हें निपटारा दिखाकर बंद कर दिया गया जांच में यह भी सामने आया कि कुछ मामलों में डायल-112 के कर्मचारियों और पुलिसकर्मियों के नाम शिकायतकर्ता के रूप में दर्ज पाए गए हैं। इतना ही नहीं एक ऐसे युवक के नाम पर भी शिकायत दर्ज मिली है जिसकी अभी तक शादी भी नहीं हुई है लेकिन उसके नाम पर 20 वर्षीय बेटी के लापता होने जैसी शिकायत दर्ज की गई। सूत्रों के अनुसार इस तरह की सभी संदिग्ध और कथित फर्जी शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर ही बंद कर दिया गया था।

शिवसेना ने जन समस्याओं को लेकर प्रशासन के खिलाफ खोला मोर्चा

अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल, सुधार नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में जन समस्याओं के समाधान में कथित लापरवाही और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर शिवसेना ने जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है गुरुवार शाम शिवसेना जिला इकाई द्वारा संभागीय आयुक्त के नाम एक ज्ञापन अपर कलेक्टर को सौंपा गया इस दौरान संगठन ने अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाते हुए शीघ्र सुधार नहीं होने पर व्यापक जन आंदोलन की चेतावनी दी। शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पाण्डेय ने आरोप लगाया कि जिले के कई विभागों में अधिकारियों द्वारा जनता की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है उन्होंने कहा कि आम नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए लगातार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं लेकिन इसके बावजूद समय पर निराकरण नहीं हो पा रहा है उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई अधिकारी आमजन के फोन कॉल तक रिसीव नहीं करते और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों को दबाव बनाकर बंद कराने का प्रयास किया जाता है इससे जनता में प्रशासन के प्रति असंतोष लगातार बढ़ रहा है और शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। विवेक पाण्डेय ने कहा कि कई मामलों में कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों का भी अधिकारियों द्वारा पालन नहीं किया जा रहा है उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समय रहते कार्यशैली में सुधार नहीं किया गया और जन समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित नहीं हुआ तो शिवसेना चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर संगठन जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन करेगा तथा संबंधित अधिकारियों के कार्यालयों और आवासों का घेराव भी किया जाएगा संगठन ने स्पष्ट किया।

रीवा में राहुल गांधी का जन्मदिवस मनाया गया, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने व्यक्त की शुभकामनाएँ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बोदाबाग ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा वार्ड क्रमांक 15 में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता का जन्मदिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केक काटकर कार्यक्रम को हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया तथा उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने 'राहुल गांधी ज़िंदाबाद' और 'कांग्रेस पार्टी ज़िंदाबाद' के नारे लगाए। आयोजन में स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए कार्यक्रम का माहौल उत्सवपूर्ण रहा और कार्यकर्ताओं ने इसे संगठनात्मक एकजुटता का अवसर बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक पटेल 'झब्बू' ने कहा कि राहुल गांधी देश की लोकतांत्रिक परंपराओं, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से आवाज उठाने वाले नेता हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को लगातार राष्ट्रीय स्तर पर उठाया है और आम जनता की समस्याओं को समझने के लिए विभिन्न अभियानों के माध्यम से देशभर में संवाद स्थापित किया है अशोक पटेल ने आगे कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के माध्यम से राहुल गांधी ने समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने का प्रयास किया है। उनके अनुसार, इन अभियानों ने संगठनात्मक स्तर पर भी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह एवं रफीक अंसारी ने अपने संबोधन में राहुल गांधी के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म 19 जून 1970 को हुआ था उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में युवाओं, किसानों, मजदूरों, महिलाओं तथा वंचित वर्गों के अधिकारों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है वक्ताओं ने कहा कि उनका सार्वजनिक जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों और पारदर्शिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि संगठन को मजबूत बनाने और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए उपस्थित नेताओं ने युवाओं से राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष अशोक पटेल 'झब्बू', शहर महामंत्री सज्जन पटेल, बोदाबाग ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट शिवेंद्र प्रताप सिंह, ढेकहा ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद रफीक अंसारी, अशोक कुमार पटेल, अशोक बाजपेई 'दीपू', आशीष पांडे, प्रवीण मिश्रा, डॉ. जे.एन. पटेल, ताजबहोर पटेल, उमेश बंसल, अशोक साहू, उमाशंकर पटेल, रघुवीर कोल, अजय सिंह बघेल, सुरेंद्र पटेल, अजय पटेल 'पिंटू', विष्णु पांडे, हरीश बंसल, रामसिया यादव, रावेन्द्र पटेल, दीपक पटेल, राजकुमार शोधिया, रजनीश पटेल, दुर्गेश पटेल एवं जीतेन्द्र साकेत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन संगठन को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर निरंतर सक्रिय रहने के संकल्प के साथ किया गया।

जननेता यमुना प्रसाद शास्त्री की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

गरीबों के मसीहा और स्वतंत्रता सेनानी को किया गया नमन, संघर्षमय जीवन को याद किया गया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। देश की उन्नति, सामाजिक समरसता तथा गरीब एवं सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले प्रख्यात समाजसेवी, स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व सांसद स्वर्गीय यमुना प्रसाद शास्त्री की पुण्यतिथि पर शनिवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके संघर्षमय जीवन और समाज सेवा के कार्यों को याद किया वक्ताओं ने कहा कि यमुना प्रसाद शास्त्री केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित जननेता थे उनका पूरा जीवन राष्ट्र सेवा, सामाजिक न्याय और मानवीय मूल्यों की स्थापना के लिए समर्पित रहा उन्होंने अपने जीवन के अंतिम क्षण तक गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों की आवाज बनकर कार्य किया। शास्त्री का जन्म 12 जून 1927 को रीवा जिले के छोटे से ग्राम सूरा में हुआ था बचपन से ही उनमें देशभक्ति और समाज सेवा की भावना थी स्वतंत्रता आंदोलन और गोवा मुक्ति आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के दौरान उन्होंने अपनी दोनों आंखों की रोशनी खो दी, लेकिन इससे उनके संकल्प और संघर्ष की शक्ति कमजोर नहीं हुई उन्होंने जीवनभर राष्ट्र निर्माण और जनसेवा को अपना धर्म माना। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने बताया कि यमुना प्रसाद शास्त्री महात्मा गांधी के विचारों से गहराई से प्रभावित थे वे गांधीवादी जीवन मूल्यों, सत्य, अहिंसा और रामराज्य की अवधारणा में विश्वास रखते थे। उनका सपना एक ऐसे समाज का निर्माण करना था जहां किसी प्रकार की विषमता, भेदभाव और अन्याय न हो इसी विचारधारा को उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में भी अपनाया। शास्त्री को विंध्य क्षेत्र का गांधी भी कहा जाता है। उन्होंने अपने संघर्ष और जनसेवा के बल पर राजनीति में विशिष्ट पहचान बनाई। वे विश्व के पहले नेत्रहीन सांसदों में शामिल रहे और दो बार सांसद निर्वाचित होकर उन्होंने रीवा का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। उनके जीवन की यह उपलब्धि विश्व रिकॉर्ड के रूप में भी चर्चित रही।

टेलीग्राम पर बैन: हद से ज़्यादा सख्ती से बचे सरकार

संपादकीय

मई महीने में नीट प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद केंद्र सरकार अति- सतर्कता के मूड में नजर आ रही है। लीक प्रकरण के पश्चात निशाने पर आने के बाद सरकार कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। इसी कड़ी में चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगाम लगाने के निर्णय को लेकर विवाद अदालत के दरवाजे तक जा पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये संघर्ष कर रही है। हकीकत यह है कि मई में प्रश्नपत्र लीक होने से मची अफरातफरी और विपक्ष के नेताओं के निशाने पर आने के बाद केंद्र सरकार कोई जोखिम लेने को तैयार नहीं है। निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुनःपरीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दर्शाता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में देशवासियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पूरे प्लेटफॉर्म को कुछ दिनों के लिये ब्लॉक करने से आनुपातिकता और प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। लोगों का मानना है कि सतर्कता, सावधानी और तंत्र में सुधार कर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है।

निस्संदेह, यदि किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा ऐप विशेष के दुरुपयोग की वजह से, उसके असली यूजर्स को परेशानी होती है तो इससे देश में गलत परंपरा की शुरुआत हो सकती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैरोकार दलील दे रहे हैं कि अगर किसी बड़ी परीक्षा हेतु टेलीग्राम की सेवाएं सस्पेंड की जा सकती हैं तो भविष्य में किसी अन्य मुद्दे पर दूसरे ऐप के विरुद्ध कार्रवाई को भी तार्किक ठहराया जा सकता है। फिर सत्ताधीशों को किसी अन्य ऐप पर अंकुश लगाने का अवसर बार-बार मिल सकता है। सरकारें कानून-व्यवस्था को खतरा बता कर, कार्रवाइयों को जायज ठहरा सकती हैं। तभी मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचने पर अदालत ने पूछा है कि 150 मिलियन यूजर्स के अधिकारों में कटौती कैसे की जा सकती है? आलोचक सरकार के रवैये को सिस्टम की विफलता बता रहे हैं। दलील है कि कोई भी प्रश्न पत्र तभी लीक होता हैं, जब परीक्षा से जुड़े कुछ अंदरूनी लोग नकल कराने वाले गिरोहों से मिल जाते हैं। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि टेलीग्राम को ब्लॉक करने से समस्या खत्म नहीं होती है। इस प्रतिबंध के बाद यूजर्स आसानी से वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क या दूसरे ऐप्स का सहारा ले सकते हैं।

(कहो तो कह दूं) इधर पत्ता हिला उधर बिजली मैया कोप भवन पंहुची.....

लेखक-चैतन्य भट्ट

बिजली विभाग ने अपने विभाग से इतर एक और सेवा शुरू की है और वो है तेज हवाओं वाले मौसम की निःशुल्क जानकारी देने की ,यदि आप अपने घर में आराम की मुद्रा में बिस्तर पर लेटे हैं हैं और अचानक बिजली गोल हो जाए तो समझ लीजिए कि हवा सामान्य से थोड़ी बहुत तेज गति से चलने का माहौल बन रहा है। ऐसा नहीं कि मौसम में ये बदलाव पहले नहीं होते थे। मगर कम ही मौकों पर बिजली विभाग जानकारी देने की जरूरत समझता था। व्यवस्था इतनी पुख्ता रहती थी कि तेज हवाएं चलने पर भी बिजली सप्लाई पर कोई ज्यादा असर नहीं पड़ता था अब हालत ये है कि हल्की हवा से पेड़ों के पत्ते हिलने शुरू ही होते हैं और बिजली मैया कोप भवन में चली जाती हैं।बिजली विभाग के आला अफसरों के घर तो इनवर्टर समेत तमाम वैकल्पिक व्यवस्थाएं मौजूद रहती हैं सो वे क्या जानें कि अचानक बिजली चली जाने से होने वाली उमस भरी गर्मी कितनी तकलीफ़ देह होती है। सजा भुगतता है वो आम आदमी जो बिजली का बिल ईमानदारी से चुकाता है, हर साल बढ़ती बिजली दरों की मार झेलता है और जबरिया स्मार्ट मीटर लगाने जैसी गुंडई ख़ामोशी से बर्दाश्त करता है। असुविधा सिर्फ गर्मी से होने वाली परेशानी और आराम में खलल की नहीं है और भी कितनी परेशानियां हैं। पढ़ने वाले परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं और जरा सी हवा चलते ही बिजली चली जाती है ,आटा आधा पिसा है चक्की बंद हो जाती है, पानी की टंकी भरना है और बिजली नहीं है, टीवी देख रहे हैं सस्पेंस फिल्म का सस्पेंस सामने आने वाला है कि बिजली गोल, कार के पंक्चर टायर को सुधारने के बाद जैसे ही हवा भरने की शुरुआत हुई बिजली गायब, अब बैठे रहो बिना हवा के टायर को लेकर, कन्हा तक गिनाएं ये परेशानियां

सवाल ये है कि जब उपभोक्ता ईमानदारी से बिल चुकाता है तो उसे निर्बाध बिजली सप्लाई क्यों नहीं मिलना चाहिए। हर साल कंपनियां मेंटेनेंस पर लाखों रुपए खर्च करती हैं। पेड़ों की डालें निर्ममता से काटी जाती है। आम उपभोक्ता बिना सूचना किए जाने वाले शट डाउन की परेशानी झेलती है। तो फिर इस बारे सर्कस का फायदा ही क्या है ? जुल्म तो ये भी है कि तथाकथित मेंटेनेंस पर होने वाला ये खर्च टैरिफ वृद्धि के माध्यम से जनता से ही वसूल किया जाता है,अगर बिजली कंपनी सुन रही है और उसे सचमुच उपभोक्ता की फ़िक्र है तो ऐसे तरीके अपनाए जिससे थोड़े से हवा पानी में ही बिजली गुल हो जाने की समस्या से निजात मिले। जहां तक मौसम की जानकारी का सवाल है तो उसके लिए सरकार ने मौसम विभाग बना कर रखा है पहले अपना डिपार्टमेंट सम्भाल लो फिर दूसरे डिपार्टमेंट में टाँग अड़ाना।

बुरे दिनों में ऐसा ही होता है कहते हैं जब इंसान के बुरे दिन आते हैं तो सारे काम उल्टे होने लगते हैं वो जहां हाथ डालता है वहीं उसके सामने असफलता आकर खड़ी हो जाती है आजकल यही हाल है देश में 70 साल तक राज करने वाली कांग्रेस पार्टी का , अब देखो राज्यसभा की तीसरी सीट के लिए कितने दिन से लफड़ा चल रहा था कि किसको सीट मिलेगी, किसको उम्मीदवार बनाया जाएगा, चूंकि आजकल महिलाओं को लेकर सभी राजनीतिक दल बड़े चिंतित दिखाई दे रहे हैं इसलिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को कैंडिडेट बना दिया लेकिन बदकिस्मती तो देखो उनके नामांकन पत्र में एक छोटी सी गलती क्या हो गई रिटर्निंग ऑफिसर ने उनका फॉर्म ही निरस्त कर दिया, बेचारे कांग्रेसी रिटर्निंग ऑफिसर के दरवाजे से लेकर चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट पता नहीं कहां-कहां चले गए लेकिन हाथ की आई शून्य अब कह रहे हैं हम सड़कों पर आंदोलन करेंगे ,अरे भैया कितने सालों से राजनीति कर रहे हो, हजारों नामांकन फॉर्म भरे होंगे आपके नेताओं ने, बड़े-बड़े वकीलों की फौज है उसके बाद भी ऐसी गलती कि नामांकन फार्म ही रिजेक्ट हो गया। अब बीजेपी वाले मजा ले रहे हैं वे तो पहले से ही कह रहे थे कि तीनों सीटें हम ही जीतेंगे बीजेपी के इस कांफिडेंस से घबरा कर अपने विधायकों को कांग्रेस ने हिमाचल तो कहीं बेंगलुरु शिफ्ट करवाने का निर्णय ले किया । पत्नी और बाल बच्चों समेत सारे विधायक एयरपोर्ट पहुंच गए लेकिन अचानक खबर आई कि भैया वापस आ जाओ कहीं जाने की जरूरत नहीं है अपने प्रत्याशी का फॉर्म रिजेक्ट हो गया, यानी न केवल मीनाक्षी जी का ही टाइम खराब चल रहा है बल्कि पूरे कांग्रेस विधायकों की ही कुंडली में पता नहीं कौन से ग्रह बैठ गए हैं अब सड़कों पर लड़ाई लड़ने से क्या होने वाला है जो हाथ में था वो चला गया, अब लगाते रहो इलेक्शन पिटिशन कब सुनवाई होगी ,कब निर्णय होगा तब तक तो पांच साल बीत ही जाएंगे।

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

ललित गर्ग

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुई, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है। यदि यह संगठन अपने भीतर बढ़ते मतभेदों को दूर कर, समानता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता है, तभी वह विश्व समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकेगा। भारत को इस अवसर पर साहसपूर्वक यह संदेश देना चाहिए कि विश्व का भविष्य शक्ति-संतुलन, संवाद, सहयोग और समावेशिता में निहित है। किसी एक देश या समूह की प्रभुत्ववादी सोच से नहीं, बल्कि साझी जिम्मेदारी और साझा विकास की भावना से ही विश्व में स्थायी शांति, आर्थिक स्थिरता और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही जी-7 जैसे मंचों की वास्तविक कसौटी भी।

बलात्कारियों का सम्मान करने वाला अद्भुत समाज

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारतीय प्रेस परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक सेमिनार के दौरान कहा था कि मैं कह सकता हूं कि नब्बे प्रतिशत भारतीय बेवक़ूफ़ होते हैं। उनके सिर में दिमाग़ नहीं होता। उन्हें आसानी से बेवक़ूफ़ बनाया जा सकता है, उन्हें धर्म के नाम पर शरारती तत्वों द्वारा आसानी से गुमराह किया जा सकता है। परन्तु अपने इस कथन के 12 वर्षों बाद यानी 2024 में जस्टिस काटजू ने मूर्खों के प्रतिशत में और इज़ाफ़ा करते हुये कहा कि अब वे 95 प्रतिशत भारतीयों को मूर्ख कहते हैं क्योंकि भारत अब वास्तविक हिंदू राज्य बन गया है। जस्टिस काटजू के इस कथन को परखने के लिये यदि हम धर्म व अध्यात्म की ध्वजा बुलंद करने वालों की हक़ीक़त को देखें तो यह हमें केवल मूर्ख या महामूर्ख ही नहीं लगते बल्कि अत्यंत निम्न स्तरीय सोच रखने वाले तथा सनातन धर्म, भारतीय समाज व पूरे देश को बदनाम करने वाले भी नज़र आते हैं।

निर्मल रानी

मिसाल के तौर पर बलात्कारियों का सम्मान होते,उनका महिमामंडन होते व उनकी शोभा यात्रा निकलते कहीं नहीं देखा गया होगा। यह अद्भुत दृश्य केवल विश्वगुरु भारत के ही अद्भुत समाज में देखने को मिलेगा।

आज देश में कई स्वयंभू साधू संत बलात्कार व हत्या जैसे जुर्म में जेल में सज़ायें भुगतते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतों ने गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर ऐसे अलग अलग बलात्कारी बाबाओं को सज़ा सुनाने का साहस कर क़ानून की रक्षा करने का काम क्या है। परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे धर्माचार्यों व स्वयंभू अध्यात्मवादियों की काली करतूतें जानने के बावजूद उनके भक्तजनों में उनके प्रति अभी भी मोह कम नहीं हुआ है। ऐसे लोग यही कहते नज़र आएंगे कि हमारे गुरु जी को ग़लत फंसाया गया है। मर्द भक्तों की तो छोड़िये महिलाएं भी ऐसे बलात्कारी बाबाओं की भक्ति व उनके महिमामंडन में सबसे आगे नज़र आती हैं। और अब तो संभवतः ऐसे बलात्कारी बाबाओं के महिमामंडन से ही प्रेरणा लेकर धार्मिकता का चोला पहने या धार्मिक संगठनों एवं धर्म के नाम पर अन्य रसूख़दार बलात्कारियों की भी शोभा यात्रा निकाली जाने लगी है। बलात्कार की शिकार लड़की का धर्म देखकर बलात्कारियों की पैरवी की जाने लगी है। क्या ऐसा कर अपराधियों को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है ?

3 मार्च 2002 की गुजरात अहमदाबाद के नज़दीक रणधीकपुर गाँव में की वह भयानक घटना कौन भूल सकता है जिसमें मुस्लिम समाज की 21 वर्षीय युवती बिल्क़ीस बानो जोकि उस समय 5 महीने की गर्भवती भी थीं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था ? बिलक़ीस बानो के परिवार के 14 सदस्यों की हत्या भी कर दी गई थी जिसमें बिलक़ीस की 3 वर्ष की मासूम बेटी भी शामिल थी । इस मामले में मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत ने 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हत्यारों बलात्कारियों की दोषसिद्धि को बरक़रार रखा था । परन्तु गुजरात सरकार ने अपनी क्षमा नीति के तहत 11 दोषियों की रिहाई की मंजूरी दे दी और 15 अगस्त 2022 को ही दोषियों को रिहा कर दिया। अफ़सोस की बात यह कि इनकी रिहाई के बाद दोषियों का जेल के बाहर ही इनके समर्थकों द्वारा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया । जगह जगह मिठाई बांटी गयी व उनके जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया गया । गुजरात के दाहोद ज़िले में तो वहां के लोगों ने दोषियों की शोभा यात्रा निकाली और बलात्कारियों हत्यारों का खुला समर्थन किया । आख़िरकार 7 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के दोषियों की समय पूर्व रिहाई के फ़ैसले को पलट दिया और उन्हें जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया । गोया हत्यारों बलात्कारियों के साथ हमदर्दी जताने के चलते सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुजरात सरकार को नीचा देखना पड़ा।

इसी तरह कश्मीर के कठुआ में जनवरी 2018 में एक 8 वर्षीय मुस्लिम लड़की आसिफ़ा बानो के साथ एक मंदिर के कमरे में पुजारी व उसके कई साथियों द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर लाश जंगलों में फेंक दी गयी थी। उस समय भी इन अपराधियों के समर्थन में हिंदूवादियों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई थी और भाजपा के दो मंत्रियों ने आरोपियों का समर्थन किया था और बलात्कारियों के समर्थन में होने वाले धरना प्रदर्शनों व रैलियों में हिस्सा लिया था जिससे उस समय बड़ा राजनैतिक बवाल खड़ा हुआ था। इस घटना ने पूरे देश को भावुक कर दिया था। आम आदमी से लेकर बॉलीवुड स्टार तक बच्ची को इंसाफ़ दिलाने के लिए सामने आए थे। बाद में अदालत ने फ़ैसला सुनाते हुये इन्हीं 5 आरोपियों को दोषी ठहराते हुये जेल भेजा था। इसी तरह कई मामलों में जब किसी दलित लड़की के साथ किसी कथित उच्च जाति के लोगों द्वारा बलात्कार किया गया तो बलात्कारियों के पक्ष में उसके कथित उच्च समाज के लोग खड़े देखे गये। 14 सितंबर 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ हुआ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्याकाण्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उस समय यह घटना भी एक अत्यंत संवेदनशील और देशव्यापी चर्चा का विषय बन गयी थी।

और अब यही दुष्प्रवृति धर्म जाति से मुक्त होकर शायद आम बन चुकी है। ग़ाज़ियाबाद के मुरादनगर में हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान नगर अध्यक्ष सुशील प्रजापति जिसपर अगस्त 2025 में एक क़ानून की पढ़ाई पढ़ने वाली हिन्दू छात्रा के साथ रेप का आरोप था,जब लगभग 9 महीने जेल में रहने के बाद 17 मई 2026 को ज़मानत पर छूटा तो जेल से छूटते ही उसके समर्थकों ने बाक़ायदा उसकी शान में गाड़ियों से विजय जुलूस निकाला। और उसके समर्थन में नरेबाज़ियाँ कीं। समर्थकों ने उसे माला पहनाई और फूल बरसाए। उसे कंधे पर बैठा लिया गया। उसके समर्थक वी साइन दिखाते और घटनाक्रम को मोबाइल में रिकॉर्ड करते नज़र आए। बाद में इस शर्मनाक घटना की सर्वस्व निंदा होने पर पुलिस ने जुलूस निकालने पर आरोपी और उसके समर्थकों पर मामला दर्ज किया। इस घटना ने भी उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा राजनीतिक सवाल खड़ा कर दिया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर राज्य में भाजपा का सहयोगी सत्तासीन संगठन हिंदू युवा वाहिनी की नैतिकता और बहनों की सुरक्षा के दावे पर सवाल उठे थे। ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण वातावरण में पूरे देश के लिये ख़ासकर देश की मां बहनों के लिये यह सोचना अनिवार्य हो गया है कि हत्यारों व बलात्कारियों के बहिष्कार करने के बजाये आख़िर इन का सम्मान करने वाला हम कैसा अद्भुत समाज तैयार कर रहे हैं।

सुब्रतो कप विजेता बालिका टीम का पिपरिया में भव्य स्वागत

रेलवे स्टेशन से निकला विजय जुलूस, पुष्पवर्षा और तालियों से खिलाड़ियों का हुआ अभिनंदन

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। सुब्रतो कप फुटबॉल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब जीतने वाली संदीपनी विद्यालय पिपरिया की बालिका फुटबॉल टीम का शुक्रवार को नगर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। टीम के खिलाड़ियों का रेलवे स्टेशन से लेकर विद्यालय तक नागरिकों, खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने जोरदार अभिनंदन किया पूरे नगर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और खिलाड़ियों की उपलब्धि पर लोगों ने गर्व व्यक्त किया राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता बनने के बाद बालिका टीम अमरकंटक एक्सप्रेस से पिपरिया रेलवे स्टेशन पहुंची स्टेशन पर पहले से मौजूद विद्यालय परिवार, संकल्प फाउंडेशन के सदस्य, खेल प्रेमी तथा बड़ी संख्या में नगरवासियों ने खिलाड़ियों का पुष्पगुच्छ और श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। खिलाड़ियों के सम्मान में नारे लगाए गए और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका उत्साहवर्धन किया गया रेलवे स्टेशन से संदीपनी विद्यालय तक खुले वाहन में विजय जुलूस निकाला गया जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा, जहां नागरिकों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर टीम का स्वागत किया कई स्थानों पर लोगों ने खिलाड़ियों को मालाएं पहनाईं और उनकी सफलता पर शुभकामनाएं दीं विजय जुलूस के दौरान खिलाड़ियों के हाथों में ट्रॉफी और विद्यालय का ध्वज आकर्षण का केंद्र बने रहे इस अवसर पर संकल्प फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि यह उपलब्धि केवल विद्यालय की नहीं बल्कि पूरे पिपरिया और नर्मदापुरम संभाग के लिए गौरव का विषय है उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद टीम ने जिस समर्पण, अनुशासन और संघर्ष भावना का परिचय दिया है वह अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है खिलाड़ियों की मेहनत और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन ने इस सफलता को संभव बनाया है कार्यक्रम में वक्ताओं ने ब्लॉक खेल समन्वयक प्रीतम सिंह पुर्वीया, टीम कोच सचिन पुर्वीया, विद्यालय प्राचार्य संजीब दुबे तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ के योगदान की सराहना की उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने में इन सभी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। टीम की कप्तान आकांक्षा नायर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले वर्ष टीम उपविजेता रही थी, जिसके बाद सभी खिलाड़ियों ने विजेता बनने का संकल्प लिया था पूरे वर्ष कठिन अभ्यास, अनुशासन और टीम भावना के साथ तैयारी की गई जिसका परिणाम आज राज्य स्तरीय खिताब के रूप में सामने आया है उन्होंने इस सफलता का श्रेय पूरी टीम और प्रशिक्षकों को दिया विजेता टीम में आफरीन खान, मोहिनी ठाकुर, मेघा ठाकुर, अंकिता तिवारी, राशिका पटेल, साक्षी विश्वकर्मा, रितिका पटेल, ऋषिका मेहरा, गोलकीपर पूजा मेहरा, अमरीन खान, अंबिका अहिरवार, स्नेहा कीर, वंशिका सराठे और वैष्णवी राजपूत सहित सभी खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। स्वागत समारोह में खेल अधिकारी अरविंद शर्मा, पूर्व सैनिक निरंजन वैष्णव, केशर सिंह, जितेंद्र पूर्वीया, पूर्व प्रोफेसर आर.आर. राठौर, ज्ञानेंद्र हरदेनिया, बलराम पाटर, श्यामलाल कहार, अनुराग मालपानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे सभी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विश्वास जताया कि यह उपलब्धि क्षेत्र की अन्य बालिकाओं को भी खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

21 जून को आयोजित होगी नीट (यूजी)-2026 परीक्षा

जिले में बनाए गए तीन परीक्षा केंद्र, कंट्रोल रूम भी स्थापित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी)-2026 का आयोजन आगामी 21 जून 2026, रविवार को जिले के निर्धारित परीक्षा केंद्रों में किया जाएगा परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। प्रशासन ने परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों से परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने और समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है। जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार परीक्षा दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित की जाएगी परीक्षा के दौरान सुरक्षा, निगरानी एवं व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पर्यवेक्षक, सुरक्षा कर्मी तथा अन्य आवश्यक स्टाफ की तैनाती की जाएगी। परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिले में तीन परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं इनमें केंद्रीय विद्यालय झगराखांड, केंद्रीय विद्यालय मनेंद्रगढ़ तथा शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ शामिल हैं इन केंद्रों पर परीक्षा के दौरान पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा जांच तथा अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले निर्धारित पहचान पत्र एवं प्रवेश पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा परीक्षा से संबंधित राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करना भी आवश्यक होगा अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा शुरू होने से काफी पहले केंद्र पर पहुंच जाएं ताकि सुरक्षा जांच एवं अन्य औपचारिकताओं के कारण किसी प्रकार की असुविधा न हो परीक्षा से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी समस्या या सहायता के लिए जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। परीक्षार्थी एवं उनके अभिभावक 07771-299057 तथा 8319310745 नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं यह सुविधा प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक उपलब्ध रहेगी। जिला प्रशासन ने कहा है कि नीट (यूजी)-2026 देश की महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जिसके माध्यम से मेडिकल एवं डेंटल पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है।

जैन समाज ने श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया श्रुत पंचमी महोत्सव

कमलासन पालकी जी की भव्य शोभायात्रा निकली, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया, (निप्र)। ज्येष्ठ शुक्ल पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को जैन समाज द्वारा श्रुत पंचमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया इस अवसर पर नगर के जैन मंदिरों एवं चैत्यालयों में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए महोत्सव के तहत कमलासन पालकी जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पूरे नगर में धार्मिक वातावरण देखने को मिला जैन धर्म में श्रुत पंचमी का विशेष महत्व माना जाता है। यह दिवस जैन धर्म के प्रथम ग्रंथाधिराज 'षटखंडागम' की रचना पूर्ण होने की स्मृति में मनाया जाता है जैन समाज के लिए यह पर्व जिनेंद्र भगवान की दिव्य वाणी के संरक्षण और प्रसार का प्रतीक है श्रद्धालु इसे आत्मकल्याण और आध्यात्मिक उन्नति का मार्गदर्शक पर्व मानते हैं। तारण समाज के पंडित विजय मोही ने बताया कि 12 जून से तारण तरण जैन सत्संग महिला मंडल के तत्वावधान में चैत्यालय जी में बाल, युवा एवं प्रौढ़ संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा था। शिविर में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों को धार्मिक शिक्षा, संस्कार, नैतिक मूल्यों एवं आध्यात्मिक ज्ञान की जानकारी दी गई शिविर का समापन श्रुत पंचमी के अवसर पर किया गया समापन कार्यक्रम गुरुवाणी मर्मज्ञ अध्यात्म रत्न पूज्य बसंत जी महाराज के आशीर्वाद तथा ब्रह्मचारी दिव्यानंद जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ।इस अवसर पर ब्रह्मचारी आलोक तारण, प्रतिष्ठारत्न पंडित नीलेश कुमार सोहागपुर एवं पंडित प्रदीप शास्त्री दमोह सहित अनेक धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

शिवपुरी में अवैध परिवहन करते 79 बोरी डीएपी खाद जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में डीएपी खाद के अवैध परिवहन और भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 79 बोरी खाद जब्त की है कृषि विभाग की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों के पास खाद परिवहन और खरीद से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले जानकारी के अनुसार तहसीलदार सिद्धार्थ शर्मा के निर्देश पर कृषि, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा फतेहपुर रोड स्थित गीता पब्लिक स्कूल के समीप विशेष जांच अभियान चलाया गया अभियान के दौरान रात करीब 9:15 बजे संदिग्ध वाहनों की जांच की गई जांच के दौरान ग्राम बलेरा निवासी राजेश यादव के मैसी ट्रैक्टर को रोककर तलाशी ली गई ट्रैक्टर में आईपीएल कंपनी की डीएपी खाद की 47 बोरियां लदी हुई मिलीं इसी दौरान भोगरीपुरा निवासी अभिषेक रावत के महिंद्रा पिकअप वाहन की जांच की गई जिसमें 32 बोरियां डीएपी खाद बरामद हुईं। दोनों वाहनों से कुल 79 बोरी खाद जब्त की गई। संयुक्त टीम ने दोनों आरोपियों से खाद खरीद संबंधी बिल, रसीद, ई-टोकन अथवा अन्य वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा। हालांकि वे किसी भी प्रकार का प्रमाण उपलब्ध नहीं करा सके। पूछताछ के दौरान दोनों ने खाद किसी किसान से खरीदने की बात कही लेकिन इस दावे के समर्थन में भी कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाए। कृषि विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पंचनामा तैयार किया तथा खाद के नमूने लेकर जांच प्रक्रिया पूरी की इसके बाद जब्त खाद और संबंधित सामग्री को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया विभागीय अधिकारियों के अनुसार बिना वैध दस्तावेजों के बड़ी मात्रा में उर्वरक का परिवहन और भंडारण उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के नियमों का उल्लंघन है यह कृत्य आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध माना जाता है वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर कोतवाली थाना पुलिस ने राजेश यादव और अभिषेक रावत के खिलाफ उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है पुलिस और कृषि विभाग मामले की विस्तृत जांच में जुटे हैं अधिकारियों का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उत्कर्ष आत्महत्या केस में पत्नी समेत पांच पर FIR: शिवपुरी में जमानत के लिए फर्जी दस्तावेज कोर्ट में पेश करने का आरोप,

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के बहुचर्चित उत्कर्ष शिवहरे आत्महत्या मामले में नया मोड़ आ गया है। कोतवाली पुलिस ने जांच के बाद उत्कर्ष की पत्नी रिया शिवहरे समेत पांच लोगों के खिलाफ कथित फर्जी दस्तावेज तैयार कर न्यायालय में पेश करने का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि आरोपियों ने जमानत प्राप्त करने के लिए कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल किया। जानकारी के अनुसार उत्कर्ष शिवहरे ने शादी के करीब एक साल बाद 19 अप्रैल 2026 को आत्महत्या कर ली थी मामले में फिजिकल थाना पुलिस ने रिया शिवहरे, उनके पिता जितेंद्र शिवहरे, भाई ध्रुव शिवहरे सहित अन्य के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया था।

जमानत आवेदन में लगाया गया था दस्तावेज: आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले की सुनवाई के दौरान आरोपियों की ओर से न्यायालय में एक आवेदन प्रस्तुत किया गया था इसमें दावा किया गया था कि घटना वाले दिन सुबह 10:15 बजे रिया शिवहरे ने भोपाल के गौतम नगर थाने में ससुराल पक्ष की प्रताड़ना को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी इसी दस्तावेज का उल्लेख जमानत आवेदन में भी किया गया था दस्तावेज की सत्यता की जांच के दौरान मामला संदिग्ध पाया गया कोतवाली पुलिस ने गौतम नगर थाना भोपाल से जानकारी जुटाई जांच में सामने आया कि जिस समय शिकायत दर्ज कराने का दावा किया गया था उस दौरान रिया शिवहरे के थाने पहुंचने के कोई साक्ष्य सीसीटीवी फुटेज में नहीं मिले। इसके अलावा पुलिस रिकॉर्ड और संबंधित अधिकारियों के बयानों में भी कई विसंगतियां पाई गईं।

पांच लोगों के खिलाफ नया अपराध दर्ज: पुलिस जांच में प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि आरोपियों ने जमानत हासिल करने के उद्देश्य से कथित रूप से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत इसके आधार पर कोतवाली पुलिस ने गीता शिवहरे, रिया शिवहरे, जितेंद्र शिवहरे, ध्रुव शिवहरे और रियम शिवहरे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत नया प्रकरण दर्ज किया है। मामला अब केवल आत्महत्या के लिए उकसाने तक सीमित नहीं रहा है बल्कि इसमें न्यायालय को कथित रूप से गुमराह कर जमानत हासिल करने के गंभीर आरोप भी जुड़ गए हैं पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित

जल्द शुरू होगी काउंसलिंग प्रक्रिया, विभाग ने वेबसाइट पर नजर बनाए रखने की अपील की

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्चयन परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है परीक्षा परिणाम जारी होने के साथ ही सफल अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों में उत्साह का माहौल है विभाग ने बताया है कि प्रवेश प्रक्रिया के अगले चरण के रूप में काउंसलिंग संबंधी विस्तृत जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी। कार्यालय (आदिवासी विकास), मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार परीक्षा परिणाम कार्यालय आयुक्त, आदिवासी जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा घोषित किया गया है प्रवेश परीक्षा का आयोजन 10 मई 2026 को प्रदेशभर में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर किया गया था विभागीय अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा के बाद मॉडल उत्तर जारी किए गए थे जिन पर अभ्यर्थियों एवं संबंधित पक्षों से दावा-आपत्तियां आमंत्रित की गई थीं प्राप्त आपत्तियों का परीक्षण एवं निराकरण विशेषज्ञ समिति द्वारा किया गया इसके पश्चात अंतिम उत्तर कुंजी के आधार पर परीक्षा परिणाम तैयार कर जारी किया गया है परीक्षा में शामिल विद्यार्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना परिणाम देख सकते हैं इसके लिए अभ्यर्थियों को अपना रोल नंबर और पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा वेबसाइट पर विद्यार्थियों को उनके प्राप्तांक सहित विस्तृत परीक्षा परिणाम उपलब्ध कराया गया है विभाग ने जानकारी दी है कि प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जल्द ही काउंसलिंग कार्यक्रम जारी किया जाएगा काउंसलिंग के दौरान दस्तावेज सत्यापन, सीट आवंटन और प्रवेश से संबंधित अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश विभागीय वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे अभ्यर्थियों एवं उनके अभिभावकों से अपील की गई है कि वे काउंसलिंग, दस्तावेज सत्यापन तथा प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी नवीनतम जानकारी के लिए नियमित रूप से विभागीय वेबसाइट का अवलोकन करते रहें किसी भी महत्वपूर्ण सूचना से वंचित न रहने के लिए समय-समय पर अपडेट जांचना आवश्यक होगा।

पिपरिया कॉलेज के प्राध्यापक का ट्रांसफर रोकने की मांग :छात्रों ने दिया ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर,पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के शहीद भगत सिंह पीजी कॉलेज के छात्रों ने गुरुवार को भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद इमरान खान के ट्रांसफर को रोकने की मांग की है विद्यार्थियों ने प्रभारी प्राचार्य के माध्यम से उच्च शिक्षा आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपकर नए प्रोफेसर की नियुक्ति होने तक वर्तमान ट्रांसफर आदेश को टालने की बात कही है। छात्रों ने बताया कि डॉ. खान के तीन साल के कार्यकाल में भूगोल विभाग की पढ़ाई, अनुशासन और छात्रों के प्रदर्शन में बड़ा सुधार हुआ है उनके मार्गदर्शन में कई छात्रों ने विश्वविद्यालय स्तर पर नाम कमाया है।

नशे के खिलाफ एकजुट हुआ एमसीबी, 26 जून तक चलेगा विशेष अभियान

नशामुक्ति भारत सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम, रैली और शपथ अभियान आयोजित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से 'नशामुक्ति भारत सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है 17 जून से 26 जून 2026 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत जिलेभर में विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं यह अभियान भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय कार्य योजना के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले की सभी ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों तथा सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों को इस अभियान से जोड़ा गया है दस दिवसीय विशेष कार्ययोजना के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है अभियान के तहत विद्यालयों में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए नशा मुक्ति शपथ, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन तथा चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है वहीं विशेष विद्यालयों में वंदे मातरम् गीत भाषण प्रतियोगिता और नारा लेखन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया जा रहा है 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों को नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान योग के महत्व के साथ-साथ नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में भी जानकारी दी जाएगी इसके अलावा चिरमिरी, खोगापानी, चैनपुर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जन-जागरूकता रैलियां, संवाद कार्यक्रम, शपथ ग्रहण समारोह और सामुदायिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग के लिए प्रेरित हुईं महिला किसान सुखवरिया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और नवाचारों के बढ़ते उपयोग के बीच जिले के ग्राम पिपरिया की महिला किसान सुखवरिया ने भी खेती को अधिक लाभकारी और किफायती बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने इस वर्ष अपनी फसलों में पहली बार नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग का निर्णय लिया है उनका यह फैसला आसपास के किसानों द्वारा प्राप्त सकारात्मक परिणामों और सफल अनुभवों से प्रेरित होकर लिया गया है सुखवरिया ने बताया कि पिछले वर्ष उनके क्षेत्र के कई किसानों ने अपनी फसलों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का प्रयोग किया था।इन किसानों की खेती का उन्होंने स्वयं अवलोकन किया और देखा कि फसल की बढ़वार सामान्य खेती की तुलना में अधिक अच्छी रही।साथ ही धान की गुणवत्ता, रंग और उत्पादन पर भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिला।किसानों ने बताया कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से फसल को आवश्यक पोषक तत्व समय पर प्राप्त हुए जिससे उत्पादन में वृद्धि हुई और लागत में भी कमी आई। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में खेती की लागत लगातार बढ़ रही है उर्वरक, बीज, मजदूरी और अन्य कृषि कार्यों में बढ़ते खर्च किसानों के लिए बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं ऐसे में यदि आधुनिक तकनीकों और उन्नत उर्वरकों के माध्यम से कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है तो यह किसानों के लिए लाभदायक विकल्प साबित हो सकता है इसी सोच के साथ उन्होंने इस वर्ष अपनी खेती में नैनो उर्वरकों का उपयोग करने का निर्णय लिया है। महिला किसान सुखवरिया का मानना है कि कृषि क्षेत्र में नवाचारों को अपनाना समय की मांग है उन्होंने कहा कि किसान यदि केवल पारंपरिक पद्धतियों पर निर्भर रहेंगे तो बदलते समय की चुनौतियों का सामना करना कठिन हो सकता है इसलिए नई तकनीकों, वैज्ञानिक सलाह और उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाकर खेती को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाया जा सकता है। उन्होंने अन्य किसानों से भी अपील की कि वे कृषि विभाग और कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दी जा रही जानकारी का लाभ उठाएं तथा सफल किसानों के अनुभवों से सीख लेकर नई तकनीकों को अपनाने का प्रयास करें उनका कहना है कि खेतों में छोटे स्तर पर प्रयोग करके भी किसान नई तकनीकों के परिणामों को समझ सकते हैं ।

मानसून में देरी से रायसेन के धान किसान चिंतित 2.8 लाख हेक्टेयर में बुवाई प्रभावित, भूजल गिरा; बारिश का इंतजार

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में मानसून की दस्तक में देरी से धान उत्पादक किसानों की चिंता बढ़ गई है। इस साल जिले में लगभग 2 लाख 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती की तैयारी की गई है। हालांकि, पर्याप्त बारिश न होने के कारण बुवाई और रोपाई का काम प्रभावित हो रहा है। शुक्रवार को रायसेन के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर किसानों से बात की। किसानों ने बताया कि धान की खेती पूरी तरह पानी पर निर्भर करती है। यदि समय पर बारिश नहीं हुई, तो बुवाई और रोपाई में देरी होगी, जिसका सीधा असर फसल के उत्पादन पर पड़ेगा।

भूजल स्तर काफी नीचे चला गया: रायसेन शहर के पास गोपालपुर निवासी किसान सुरेश कुशवाहा ने बताया कि उन्होंने लगभग 20 एकड़ में धान की फसल लगाने की तैयारी की है। बारिश की उम्मीद में उन्होंने टुकड़ों-टुकड़ों में धान की पौध भी डाल दी है। उन्होंने यह भी बताया कि अब तक वे ट्यूबवेल के सहारे पानी दे रहे थे, लेकिन भीषण गर्मी के कारण भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे ट्यूबवेल से भी पानी कम निकल रहा है। सुरेश कुशवाहा ने आगे कहा, 'धान की खेती के लिए लगातार पानी की आवश्यकता होती है। यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई, तो रोपाई प्रभावित होगी और फसल का समय भी पीछे खिसक सकता है। अब हमारी नजरें केवल आसमान पर टिकी हैं।'

तीन महीने नियमित पानी आवश्यक: किसानों ने बताया कि धान चार महीने की फसल है, जिसमें लगभग तीन महीने तक नियमित पानी की आवश्यकता रहती है। यही कारण है कि जिले के किसान मानसून की पहली अच्छी बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खेत पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन पानी के बिना बोवनी की रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि धान की खेती के लिए जून के अंतिम सप्ताह तक अच्छी बारिश होना जरूरी है। यदि मानसून और देर से सक्रिय हुआ तो रोपाई का समय प्रभावित हो सकता है। फिलहाल जिले के हजारों किसान खेतों की मेड़ों पर खड़े होकर बादलों का इंतजार कर रहे हैं।

मंदसौर में 90 किलो डोडाचूरा जब्त प्याज के कट्टों में छिपाकर ले जा रहे थे, दो तस्कर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, गरोठ (निप्र)। मंदसौर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। शामगढ़ थाना पुलिस ने प्याज के कट्टों में छिपाकर ले जाया जा रहा 90 किलोग्राम डोडाचूरा जब्त किया है। इस मामले में उत्तर प्रदेश के दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तैर सिंह बघेल और एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में शामगढ़ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय के नेतृत्व में टीम ने इस सफलता को अंजाम दिया। 18 जून को सहायक उपनिरीक्षक (सउनि) शिवकुमार सिंह राजावत को मुखबिर से सूचना मिली थी। जानकारी के अनुसार, एक पंजाब पासिंग पिकअप वाहन में प्याज के कट्टों के नीचे डोडाचूरा छिपाकर ले जाया जा रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने ढाबला गुर्जर अंडरब्रिज के पास घेराबंदी की। संदिग्ध सफेद रंग की पिकअप (क्रमांक PB65BM7353) को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर 25 नग प्याज के कट्टों के नीचे से 90 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने ग्रामीण विकास एवं जनकल्याण कार्यों का किया निरीक्षण, ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने गुरुवार को जनपद पंचायत बासौदा अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं आधारभूत सुविधाओं की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। दौरे के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम पंचायत अनवई के धनसिंहपुर में जनमन आवास योजना के अंतर्गत निर्मित आवासों का निरीक्षण कर हितग्राहियों से चर्चा की। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र एवं उचित मूल्य की दुकान का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। अनवई पंचायत भवन में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराया। इसके साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट (एम.एम.यू.) के माध्यम से प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा भी की गई। कलेक्टर ने पंचायत भवन में जनसंवाद कार्यक्रम में भाग लिया तथा ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने नल-जल योजना के अंतर्गत स्थापित सम्पबेल एवं ओवरहेड टैंक (ओ.एच.पी.) तथा जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही सीसी रोड निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया। ग्राम पंचायत सिरनोटा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान एवं खाद वितरण केंद्र का निरीक्षण कर उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की।

भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से रूबरू हुए कलेक्टर

समग्र, ई-केवाईसी और फार्मर आईडी के लंबित हितग्राहियों की सूची पंचायत भवनों में चस्पा की जाए - कलेक्टर अंशुल गुप्ता

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने गुरुवार को बासौदा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का सघन भ्रमण कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं संचालित अभियानों की प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निराकरण के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत भवन में ऐसे नागरिकों की सूची सार्वजनिक रूप से चस्पा की जाए, जिनकी समग्र ई-केवाईसी, फार्मर आईडी अथवा अन्य आवश्यक जानकारी लंबित है। उन्होंने कहा कि इस कार्य को विशेष अभियान के रूप में संचालित किया जाए ताकि पात्र हितग्राहियों की जानकारी समय पर अद्यतन हो सके और वे शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक गांव में 'आपदा मित्र' तैयार करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि बी-1 का नियमित वाचन कराया जाए तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्मित शासकीय परिसंपत्तियों को अनिवार्य रूप से राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराया जाए। साथ ही जिन हितग्राहियों को भूमि के पट्टे वितरित किए गए हैं, उनकी वास्तविक स्थिति एवं कब्जे की भी जांच सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था, वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने तथा गांवों में साफ-सफाई संबंधी समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए तथा मौके पर ही कई मामलों में कार्रवाई प्रारंभ कराई। ग्राम अनवई में कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम पंचायत द्वारा संधारित किए जाने वाले पांच प्रमुख रजिस्टरों का भी निरीक्षण किया तथा अभिलेखों के संधारण और अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने पंचायत स्तर पर रिकॉर्ड प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री ओ.पी. सनोडिया, एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की।

21 जून को उत्साह पूर्वक मनाया जाएगा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम Yoga for Healthy Ageing (स्वस्थ आयु के लिए योग)' निर्धारित की गई है। योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के आयोजन के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जारी आदेशानुसार जिला स्तरीय योग कार्यक्रम का आयोजन सीहोर के शासकीय आवासीय खेलकूद संस्थान में किया जाएगा। साथ ही जिले के समस्त विकासखंड मुख्यालयों, पंचायत स्तर तथा शासकीय एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों में भी सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रातःकाल 06 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों का आगमन होगा। इसके बाद 06:15 से 06:30 तक अतिथियों का उद्बोधन होगा। इसके बाद 06:30 बजे कोलकाता से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एवं उद्बोधन होगा। इसके बाद 07 बजे से 07:45 बजे योगाभ्यास कार्यक्रम होगा। योग दिवस के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों, स्थानीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सामाजिक संगठनों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार-प्रसार गतिविधियां संचालित की जाएंगी तथा नागरिकों को नियमित योग अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

बिजली कंपनी ने करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने किया आगाह

व्यापारी व फेरीवाले हाईटेंशन लाइनों से दूर लगाएं हाथ ठेले व दुकानें

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आम जनता तथा हाथ ठेले पर सामान बेचने वालों को आगाह किया है कि वे अपने हाथ ठेले तथा फुटकर सामान की दुकानें हाईटेंशन लाइनों से दूर लगाएं। कंपनी ने कहा है कि जरा सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए आमजन भी करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम में सहयोग करें एवं बिजली लाइनों तथा ट्रांसफार्मर से उचित दूरी बना कर ही अपना सामान बेचने के लिए रखें। कई जग?ह चाय की गुमठियां भी विद्युत लाइनों के समीप तथा ट्रांसफार्मरों से सटाकर चलाई जा रही है, जिनके कारण करंट लगने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। कंपनी ने उपभोक?ताओं से अपील में कहा है कि विद्युत लाइनों/ट्रांसफार्मरों एवं उपकरणों के साथ छेड़छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनायें रखें। यदि आँधी तूफान में खंबे/तार टूटे हों तो इसकी सूचना तत्काल शिकायत कॉल सेंटर के टोल फ्री नं. 1912 पर/उपाय ऐप एवं समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय में दें। जमीन पर पड़े तारों को छूने या स्पर्श करने की गलती न करें साथ ही पार करने का प्रयास न करें। पान टपरों तथा ऐसी दुकानों जिनमें लोहे की चादर का इस्तेमाल होता है, में वायरिंग को सुरक्षित ढंग से पी.वी.सी. पाईप के द्वारा ही कराई जाए। किसी प्रकार की कटी-फटी लूज वायरिंग से जान-माल का खतरा हो सकता है। बारिश के दौरान विद्युत खम्बे/स्टे के पास पानी भराव वाले स्थान से निकलने की जल्दी न करें। सावधानी अवश्?य बरतें क्योंकि बारिश के दौरान करंट लीकेज की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि बच्चों और मवेशियों का विशेष ध्यान रखें। अपने मवेशी को बिजली के खम्बे, स्टे वायर इत्यादि से न बांधें। कपड़े सुखाने के लिये जी.आई. तार अथवा रस्सी, सर्विस लाईन के पाईप या बिजली के खम्बों से कभी न बांधें। इसमें करंट आने की संभावना बनी रहती है। घर की दीवार, उपकरण, नल आदि में लीकेज करंट आने पर प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियन से तत्काल ठीक कराएं। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि घरेलू विद्युत उपकरणों, वायरिंग, स्विच इत्यादि को स्वयं सुधारने के बजाय किसी प्रशिक्षित एवं अनुभवी इलेक्ट्रीशियन की सेवाएं लें। मानव जीवन अमूल्य है। बिजली के स्विच /सॉकिट/बिजली उपकरण बच्चों की पहुंच से दूर रखें। विद्युत पोल से ही कनेक्शन लें, बीच तारों में कटिया डालकर विद्युत का उपयोग न करें, यह दण्डनीय अपराध है। शादी, धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों में अतिरिक्त भार के लिये अस्थायी कनेक्शन लें तथा उचित क्षमता की उच्च गुणवत्ता की केबिल का ही उपयोग करें। कटे फटे तारों का उपयोग कतई ना करें। स्वीकृत भार से अधिक लोड का उपयोग न करें। उचित क्षमता के एम.सी.सी.बी/कट-आउट लगाने के साथ ही अच्छी गुणवत्ता की वायरिंग का ही उपयोग करें। वर्ष में 1 बार अपने परिसर की वायरिंग, फिटिंग, अर्थिंग अनुभवी एवं दक्ष इलेक्ट्रीशियन से अवश्य चैक कराएं। विद्युत लाईन के नीचे एवं ट्रांसफार्मरों के नजदीक भवन निर्माण/दुकान/बैनर/ईट भट्टा न लगाएँ। विद्युत लाईन के नीचे कोई स्थाई-अस्थाई निर्माण न करें। फसल इत्यादि का संग्रहण न करें। विद्युत लाइनों से सुरक्षित दूरी पर ही निर्माण करें। किसान भाई खेतों में कटाई एवं गहाई की जा रही फसलों को बिजली के तारों के नीचे, बिजली के खम्बों एवं स्थापित ट्रांसफार्मरों/स्टे तारों के पास एकत्रित न करें। खेतों में विद्युत उपयोग के लिये कटी-फटी

सोयाबीन, अरहर, उड़द, मक्का आदि की बुवाई पर्याप्त नमी हो तब ही करें

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी सप्ताह में मानसून 'आने की संभावना है। मानसून आने के पश्चात 3 से 4 बार एवं 100 मिमी बारिश होने पर खरीफ फसल की बुवाई पर्याप्त नमी में करें। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार उन्नत उत्पादन तकनीक अपने जलवायु क्षेत्र के लिए अनुकूल सोयाबीन की किस्मों का चयन करें। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार अंकुरण परीक्षण के माध्यम से सोयाबीन की बोवनी हेतु उपलब्ध बीज का न्यूनतम 70 प्रतिशत अंकुरण सुनिश्चित होने पर बुवाई करें। उर्वरक प्रबंधनः पोषण प्रबंधन के लिए अंतिम बखरनी से पूर्व गोबर की खाद 5-10 टन/हे. या मुर्गी की खाद 2.5 वरिष्ठ वैज्ञानिक व टन/हे. खेत में अच्छी तरह फैला दें। कार्बनिक खादों प्रमुख कृषि विज्ञान के अतिरिक्त सोयाबीन फसल के लिए आवश्यक केन्द्र रायसेन पोषक तत्वों (20:60:40:20 किग्रा/हे. एनपीके सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें, जिसके लिए निम्नलिखित में से किसी एक समूह की खाद का प्रति हेक्टेयर उपयोग करें,यूरिया 56 किग्रा + 375-400 किग्रा सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश, अथवा 2. डीएपी 125 किग्रा + 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ पोटाश + 25 किग्रा बेंटोनाइट सल्फर या 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 मात्रा 200 किग्रा + 25 किग्रा बेंटोनाइट सल्फर । कृषि वैज्ञानिक के अनुसार खरीफ फसलों के लिए बुवाई तकनीकः विगत कुछ वर्षों से फसल में सूखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा जैसी घटनाएं देखी जा रही हैं, ऐसी विपरीत परिस्थितियों में फसलों को बचाने हेतु सलाह दी जाती है कि सोयाबीन की बुवाई के लिए बीबीएफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या रिज्ड फरो पद्धति (कूड़ मेढ़ प्रणाली) का उपयोग करें। खरीफ फसलों में बीज उपचारः सोयाबीन फसल की प्रारम्भिक अवस्था में रोग तथा कीटों से बचाव के साथ-साथ उपयुक्त पौध संख्या सुनिश्चित करने हेतु सोयाबीन में बीजोपचार अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए अनुशंसा है कि बीज को अनुशंसित पूर्व मिश्रित फफूंदनाशक एजोक्सीस्ट्रोबिन 2.5 प्रतिशत + थायोफिनेट मिथाइल 11.25 प्रतिशत + कीटनाशक थायोमिथाक्जाम 25 प्रतिशत एफ.एस. (10 मिली/किग्रा) बीज से उपचारित करें।

खड़े ट्रक को पिकअप ने पीछे से मारी टक्कर ड्राइवर बुरी तरह दबा, मौत

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी-नर्मदापुरम रोड पर गुरुवार देर रात सड़क किनारे खड़े एक मक्का से भरे ट्रक को तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात पिकअप चालक पर केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। वाटर पंप खराब होने पर सड़क किनारे खड़ा किया था ट्रक मृतक की पहचान सीहोर जिले के इच्छावर निवासी आरिफ खान के रूप में हुई है। आरिफ अपने ट्रक (एमपी 09 एचजी 6062) में लगभग 28 टन मक्का लादकर जा रहे थे। रास्ते में दादाजी वेयरहाउस के सामने अचानक ट्रक का वाटर पंप खराब हो गया, जिसके कारण आरिफ ने वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर दिया था। घटना के समय ट्रक का हेल्पर पतिराम बारला शौच के लिए गया हुआ था।

ट्रक सड़क से नीचे उतरा, चालक की दबने से मौत: इसी दौरान पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने खड़े ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि भारी-भरकम ट्रक सड़क से नीचे उतर गया और चालक आरिफ खान वाहन के भीतर ही बुरी तरह दब गया। गंभीर चोटें आने के कारण उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद आरोपी पिकअप चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस घटना की सूचना मिलते ही इटारसी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

सीहोर में जमीन विवाद पर हिंसक झड़प:ट्रैक्टर से जुताई को लेकर विवाद बढ़ा; महिलाओं सहित सात गंभीर, नर्मदापुरम रेफर

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के रेहटी थाना क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ा में भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच गुरुवार को हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान लाठी-डंडे और धारदार हथियार चलने से महिलाओं सहित कई लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल सात लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, ग्राम बरखेड़ा निवासी रवीना यदुवंशी ने रेहटी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष राजस्व विभाग द्वारा कराई गई नपती में करीब 2.5 एकड़ भूमि उनके पक्ष में निकली थी। इस भूमि का कब्जा 30 अप्रैल 2026 को राजस्व विभाग द्वारा उन्हें सौंपा गया था। तभी से इस जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। फरियादिया रवीना के अनुसार, गुरुवार को वह अपने परिजनों के साथ खेत पर काम कर रही थीं।

इसी दौरान दूसरे पक्ष के लोग ट्रैक्टर लेकर विवादित भूमि पर जुताई करने लगे। जब रवीना और उनके परिजनों ने इसका विरोध किया, तो दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई।

कई लोगों के सिर, हाथ, पीठ में गंभीर चोटें: रवीना की रिपोर्ट में आरोप है कि मनोहर सिंह, रामकृष्ण, संतोष, दुर्गेश, शर्मीला और अन्य लोगों ने कुल्हाड़ी, दातरा और डंडों से हमला किया। इस हमले में भीम सिंह, अर्जुन सिंह, अभिषेक, कामराज, गोविंद, भोलाराम, धनराज और हेमराज घायल हो गए। बीच-बचाव करने पहुंची रवीना को भी चोटें आईं। घटना में कई लोगों के सिर, हाथ, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को पहले शासकीय अस्पताल रेहटी ले जाया गया। वहां से हालत गंभीर होने पर भीम सिंह, अर्जुन सिंह, अभिषेक, कामराज, गोविंद, भोलाराम और धनराज को जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम रेफर कर दिया गया। फरियादिया ने यह भी आरोप लगाया है कि घटना के दौरान आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। मारपीट के दौरान कुछ मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त हो गए।

खंडवा में हेड कांस्टेबल के बेटे ने लगाई फांसी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में एक पुलिस हेड कांस्टेबल के बेटे ने फांसी लगाकर जान दे दी। 23 साल के युवक ने शहर के गणगौर घाट क्षेत्र में नदी किनारे एक पेड़ पर फांसी लगाई। पुलिस ने शव बरामद कर शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कराया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है, ना ही मौके से कोई सुसाइड नोट मिला। शव को अंतिम संस्कार के लिए गृह नगर धुलकोट ले जाया गया। मामले में कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शव की पहचान गगन बलखड़े के रूप में हुई। गगन के पिता भीमसिंह बलखड़े पुलिस विभाग में हेड कांस्टेबल हैं। परिवार के साथ पुलिस लाइन में रहते थे। फिलहाल पिपलोद थाने में पोस्टिंग है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि गगन कॉलेज में बीए स्नातक की पढ़ाई कर रहा था।

पिछले महीने हुई थी मृतक की सगाई: मृतक के मामा प्रेम के अनुसार, हेड कांस्टेबल भीमसिंह के दो बेटे हैं, दोनों पढ़ाई करते हैं। गगन सबसे छोटा था। पिछले महीने 27 मई को गगन का रिश्ता तय हुआ था। इसी साल उसकी शादी होने वाली थी। आत्महत्या की 3वजह सामने नहीं आई है। इधर, गगन ने सोशल मीडिया पर सुसाइड से पहले दिल टूटने का मैसेज पोस्ट किया था। आशंका है कि मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में राहुल, जायसवाल और राणा पर रहेगी नजर

चेन्नई ,एजेंसी। पहले दो मैच में धमाकेदार जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी जिसमें केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। राहुल की वनडे टीम में जगह को लेकर कभी कोई संदेह नहीं रहा है, लेकिन जायसवाल शीर्ष क्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अपनी जगह पक्की करने के लिए बड़ी पारी खेलना चाहेंगे।

जायसवाल ने 2025 के बाद वनडे टीम में वापसी की है लेकिन वह लखनऊ में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे मैच में केवल चार रन ही बना पाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इससे पहले जो आखिरी वनडे खेला था उसने उन्होंने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाए थे, लेकिन उसके बाद स्थिति काफी बदल गई है और अब ईशान किशन की वापसी ने शीर्ष क्रम में एक और दावेदार को जोड़ दिया है। किशन ने लखनऊ में शतक लगाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

कप्तान शुभमन गिल ने जायसवाल को जगह देने के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की और शतक जड़ा। लेकिन जब विराट कोहली मांसपेशियों में खिंचाव से उबरने के बाद वापसी करेंगे तो उनका तीसरे नंबर पर खेलना पक्का है। इससे गिल के पास रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। किशन और श्रेयस अय्यर क्रमशः चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में जायसवाल को सीमित अवसरों का पूरा फायदा उठाना होगा।

जायसवाल के लिए इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना बेहद जरूरी है क्योंकि इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की वनडे टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति एक और असफलता को शायद ही बर्दाश्त करेगी। अगर चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव को टी20 विश्व कप में टीम को जीत दिलाने के बावजूद टीम से बाहर कर सकते हैं तो अन्य खिलाड़ियों को भी नहीं बख्शा जा सकता है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि जायसवाल की वनडे में किस्मत उनके हाथ में ही है।

राहुल का मामला बिल्कुल अलग है। लंबे अंतराल के बाद भारतीय टीम में अय्यर की वापसी का मतलब है कि 34 वर्षीय राहुल को अब अधिकतर मौकों पर छठे नंबर पर बल्लेबाजी करनी होगी। राहुल लंबे समय तक पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने इस पोजीशन पर अच्छा प्रदर्शन भी किया है। उन्होंने पांचवें नंबर पर खेलते हुए 38 मैचों में 63.2 के औसत से 1517 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और 10 अर्धशतक शामिल हैं। इसके विपरीत छठे नंबर पर उन्होंने 15 मैचों में 41.5 की औसत से 332 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। BCCI ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ईश्रश्र) में रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद इस मैच के लिए हर्षित राणा को टीम में शामिल किया है। यह तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह ले सकता है, जिन्होंने इस श्रृंखला में अभी तक दोनों मैच खेले हैं। इससे भारत को चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की अनुपस्थिति में निचले क्रम में एक उपयोगी बल्लेबाज का विकल्प भी मिलेगा।

इससे टीम प्रबंधन को ब्रिटेन के दौरे से पहले उनकी फॉर्म और फिटनेस का आकलन करने का मौका मिलेगा। जहां तक अफगानिस्तान का सवाल है तो उसने इस श्रृंखला में एकमात्र टेस्ट मैच और पहले दो वनडे में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। उसकी टीम हालांकि जीत के साथ श्रृंखला का समापन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इसके लिए उसे खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं :

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

अफगानिस्तान : हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

भारत के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले हॉकी स्टार मनप्रीत ने फिटनेस को दिया श्रेय, कोहली को मानते हैं आदर्श

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेलने वाले मनप्रीत सिंह ने इतने लंबे करियर का श्रेय फिटनेस को देते हुए कहा कि वह इस मामले में चैम्पियन क्रिकेटर विराट कोहली का अनुसरण करते हैं। मनप्रीत ने बुधवार को ब्रुद्ध प्रो लीग में जर्मनी के खिलाफ मैच के दौरान भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की का 412 अंतरराष्ट्रीय मैचों का रिकॉर्ड तोड़ा। अब 413 मैचों के साथ वह सर्वकालिक सूची में पांचवें स्थान पर हैं और शीर्ष पांच में अकेले सक्रिय खिलाड़ी हैं। इस अनुभवी मिडफील्डर ने रोटरडम से मीडिया से आनलाइन बातचीत में कहा, 'सभी को पता है कि विराट फिटनेस को कितनी अहमियत देते हैं। मेरे लिए ही नहीं बल्कि हर खिलाड़ी के लिए वह आदर्श है। हर कोई उनसे सीखता है कि शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा खेलने के लिये कैसे फिट रहना है।' उन्होंने कहा, 'मैंने भी उनसे काफी कुछ सीखा है। वह मैदान पर आक्रामक रहते हैं और अपना शत प्रतिशत देते हैं। वह भी मेरी तरह क्रिस्टियानो रोनाल्डो के प्रशंसक हैं। वह भी काफी ध्यान रखते हैं कि क्या खाना है और क्या नहीं।' तोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को 41 साल बाद कांस्य पदक दिलाने वाले पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत के लिए लंबे समय तक खेलने की ललक ने उन्हें फिटनेस बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए खेलते रहने की ललक ने मुझे फिटनेस बनाये रखने के लिए प्रेरित किया। विश्व स्तरीय हॉकी में फिट रहना बहुत जरूरी है और उम्र के साथ मैंने इस पर अधिक ध्यान देना शुरू किया है।' उन्होंने यह भी कहा कि उनकी ख्वाहिश विश्व कप में पदक और ओलंपिक स्वर्ण जीतने की है। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना ओलंपिक स्वर्ण और विश्व कप में पदक जीतना है। मुझे पता है कि युवाओं से प्रतिस्पर्धा के लिए फिट रहना जरूरी है। मेरा परिवार मुझे हमेशा इसके लिए प्रेरित करता है।' मनप्रीत ने अगले लक्ष्य के बारे में कहा, 'मैं लॉस एंजिलिस ओलंपिक खेलना चाहता हूं लेकिन उसके लिए फिट रहना होगा।

मेक्सिको की जेलों में क्रिकेट को मिली नई दिशा

नई दिल्ली ,एजेंसी। मेक्सिको में लोग फुटबॉल के दीवाने हैं लेकिन क्रिकेट ने एक नया ठिकाना ढूंढ लिया है। मेक्सिको की जेलों में क्रिकेट खेला जा रहा है जो कैदियों को अनुशासित रखने और इस खेल से जोड़ने का काम कर रहा है। मेक्सिको के नेशनल कमीशन फॉर फिजिकल कल्चर एंड स्पोर्ट की एक पहल के तहत अब यह खेल कम से मध्यम सुरक्षा वाली चार जेलों में खेला जा रहा है। कमीशन की सोच साफ थी। उनका मानना था कि क्रिकेट कैदियों में अनुशासन लाएगा। उन्होंने इस खेल के बारे में सिर्फ दो साल पहले ही सुना था। मेक्सिको सिटी ने 2021 में ICC अमेरिका महिला टी20 रीजनल क्वालिफायर की मेजबानी की थी और खेल मंत्रालय को इसे देखने के लिए बुलाया गया था। कुछ महीनों बाद मैक्सिकन क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी क्रेग व्हाइट, नेशनल कमीशन के प्रमुख एडुआर्डो एसेवेडो के साथ एक प्रेजेंटेशन में शामिल हुए। एसेवेडो ने तुरंत ही जेलों के फिजिकल एक्टिविटी प्रोग्राम के हिस्से के तौर पर क्रिकेट का प्रस्ताव रखा। एक हफ्ते के अंदर, MCA के वॉलंटियर्स जेल के अंदर थे; वे नियम समझा रहे थे, तकनीक सिखा रहे थे और कैदियों से अंपायर का सम्मान अपने वार्डन की तरह करने के लिए कह रहे थे। बास्केटबॉल कोर्ट को कामचलाऊ पिच में बदल दिया गया। खाली जमीन को छोटे मैदानों में बदल दिया गया। कैदी उन ब्रेक का इंतजार करने लगे जब वे खेल सकते थे। व्हाइट ने 'द इंडियन एक्सप्रेस' को बताया, 'यह हम सभी के लिए एक शानदार अनुभव था।

फीफा विश्व में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले लिनेकर की बराबरी पर आये केन

अर्लिंग्टन ,एजेंसी। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागकर अपनी टीम को क्रोएशिया के खिलाफ 4-2 से जीत दिलाने के दौरान ही एक ऐतिहासिक रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया। केन ने अब दिग्गज खिलाड़ी रहे गैरी लिनेकर के इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्वकप में सबसे अधिक गोल दागने के रिकार्ड की बराबरी कर ली है।

केन अब इंग्लैंड की ओर से फीफा विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान लिनेकर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। इस मुकाबले से पहले लिनेकर के 10 विश्व कप गोल की बराबरी करने के लिए केन को दो गोल की जरूरत थी जो उन्होंने इस मैच में दाग दिये। उन्होंने 12वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट से अपना पहला गोल दागा, जिसके साथ वह विश्व कप इतिहास में पांच पेनल्टी पर गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। हाफ टाइम से ठीक पहले उन्होंने मैच का अपना दूसरा गोल दागकर अपने देश के लिए एक नया इतिहास रच दिया। अब हैरी केन और गैरी लिनेकर दोनों के नाम 12 विश्व कप मैचों में 10-10 गोल दर्ज हैं। हैरी ने पहली बार फीफा विश्व कप साल 2018 में खेला था, जहां उन्होंने अपने पहले ही टूर्नामेंट में 6 गोल के साथ गोल्डन बूट जीता था और इंग्लैंड को सेमीफाइनल तक पहुंचाया था। इसके बाद 2022 के विश्व कप में 2 गोल किये थे। फुटबॉल की दुनिया में केन का नाम इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में पहले से ही दर्ज है। उन्होंने 2018 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल, और 2020 व 2024 के यूरो कप फाइनल जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में इंग्लैंड की ओर से गोल किये थे।

आईपीएल 2027 में दिखाई देंगे युवराज सिंह, दिल्ली कैपिटल्स में निभाएंगे ये बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह अपने प्रोफेशनल कोचिंग करियर की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 2027 सीजन से पहले दिल्ली कैपिटल्स फ्रैंचाइजी से जुड़ेंगे। खबरों के मुताबिक युवराज इस फ्रैंचाइजी सेटअप में शामिल होंगे जिसके डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट सौरव गांगुली हैं, जो उनके पहले इंटरनेशनल कप्तान भी रह हैं। DC के एक सीनियर अधिकारी ने इस खबर की पुष्टि की है। वर्ल्ड कप जीतने वाले यह दिग्गज खिलाड़ी एक नई पारी शुरू करने के लिए तैयार हैं। 2019 में रिटायर होने के बाद से वह किसी बड़े रोल से दूर रहे हैं। युवराज पहले भी दिल्ली की इस फ्रैंचाइजी से एक खिलाड़ी के तौर पर जुड़े रह चुके हैं, जब उन्होंने 2015 सीजन में दिल्ली डेयरडेविल्स का प्रतिनिधित्व किया था। 'द टाइम्स ऑफ इंडिया' ने एक सूत्र के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा, 'डगआउट में युवराज सिंह को कौन नहीं चाहेगा उनके कई पूर्व साथी खिलाड़ी, जैसे आशीष नेहरा, जहीर खान और वीरेंद्र सहवाग, IPL में कोचिंग कर चुके हैं। हो सकता है कि युवराज इस मामले में थोड़े देर से आए हों, लेकिन उन्होंने युवाओं के साथ काम करने और इस रोल की जरूरतों को समझने में काफी समय बिताया है।' दो बार IPL जीतने वाले युवराज ने दिल्ली की टीम के साथ अपनी यात्रा शुरू करने से पहले खुद का एक मजबूत प्रोफाइल बनाया है। अभिषेक शर्मा को एक जबरदस्त टी20 क्रिकेटर के तौर पर फिर से उभारने में उनकी अहम भूमिका रही है, साथ ही उन्होंने मौजूदा भारतीय कप्तान शुभमन गिल को भी मेंटर किया है। IPL 2026 से पहले उन्होंने ऋषभ पंत के साथ भी समय बिताया, जो उस सीजन के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान थे। सूत्र ने आगे कहा, 'वह सिर्फ खिलाड़ियों को ट्रेनिंग नहीं देते, बल्कि उन्हें मेंटर भी करते हैं। यह सिर्फ फोन कॉल या वर्चुअल सेशन तक सीमित नहीं है। वह मैदान पर घंटों बिताते हैं, अक्सर नेट्स के पीछे खड़े होकर और धूप में अपने खिलाड़ियों के साथ काम करते हैं।

ईशान टेस्ट भी खेल सकते हैं लेकिन उनके लिए कोई जगह नहीं है : पूर्व कप्तान

चेन्नई ,एजेंसी। पूर्व कप्तान और सिलेक्शन कमिटी के पूर्व चेयरमैन कृष्णमाचारी श्रीकांत ने गुरुवार को कहा कि ईशान किशन में एक सफल टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जरूरी सभी हुनर हैं, लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय रेड-बॉल स्क्वाड में उनके लिए कोई जगह नहीं है। लगभग दो साल तक टीम से बाहर रहने वाले किशन ने वर्ल्ड कप से पहले ड्र20ढ्ढ टीम में शानदार वापसी की और अब अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर क्रिकेट में अपनी वापसी सीरीज में शतक भी लगाया है। हालांकि श्रीकांत का मानना है कि किशन, जिन्होंने 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेले थे, सफेद कपड़ों (टेस्ट क्रिकेट) में भी उतने ही अच्छे कीपर-बैटर हैं।

श्रीकांत ने कहा, 'मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा फैन हूं। उन्होंने अचानक (भारतीय टीम में) वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका खेल पसंद है। उनके स्ट्रोक खेलने का तरीका, टाइमिंग, पावर और आसानी से खेलने की क्षमता - सब कमाल का है। ईशान सभी फॉर्मेट के खिलाड़ी हैं। असल में वह टेस्ट क्रिकेट भी खेल सकते हैं। दुर्भाग्य से उनके लिए कोई जगह नहीं है।'

जब 2024 में किशन को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हटाया गया था, तो वजह यह बताई गई थी कि उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। हालांकि पटना के इस छोटे कद के खिलाड़ी ने फिर से मेहनत शुरू की, अपनी एकेडमी के मैदान पर प्रैक्टिस की और फिर बुची बाबू ट्रॉफी (रणजी प्री-सीजन टूर्नामेंट) भी खेली।

फीफा विश्व कप 2026: पहले सप्ताह में चमके कई अनजान से खिलाड़ी

टोरंटो ,एजेंसी। फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 की शुरुआत में जहां लियोनेल मेसी, काइलियान एमबाप्पे सहित कई स्टार खिलाड़ियों ने अपने नाम के अनुरुप प्रदर्शन कर अपनी टीमों को जीत दिलायी है। वहीं पहले सप्ताह में कुछ अनजान से खिलाड़ियों ने भी अपने शानदार प्रदर्शन से फुटबॉल के इस महाकुंभ में अपनी चमक बिखेरी है। इन अनजान खिलाड़ियों ने दिखाया है कि वे भी किसी से कम नहीं हैं। अपने असाधारण प्रदर्शन से इन लोगों ने खेल प्रेमियों का दिल जीता है। इन खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि विश्व कप सिर्फ बड़े नामों का ही मंच नहीं, बल्कि हर किसी को यहां अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इन्हीं अनजान खिलाड़ियों में से एक हैं। केप वर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा। वोजिन्हा ने स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ अपने पहले मैच में ही अविश्वसनीय बचाव करके सभी को हैरान कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन ने न केवल अपनी टीम को प्रेरणा दी, बल्कि उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या 1 करोड़ 30 लाख तक पहुंचा दी, जो उनकी बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। इसके अलावा विश्वकप में भाग ले रहे सबसे छोटे देश क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेसिया ने अपनी टीम के लिए पहला गोल दागकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दी। उनकी टीम हालांकि पूर्व चैम्पियन जर्मनी से 7-1 की करारी हार का सामना करना पड़ा हो पर कोमेनेसिया का वह गोल हमेशा याद किया जाएगा।

इसके अलावा कतर के 35 वर्षीय सेंटर बैक, बौलेम खौखी ने भी प्रभावित किया है। स्विट्जरलैंड के खिलाफ उनकी निर्णायक भूमिका ने कतर को मैच ड्रॉ कराने में सहायत की। खौखी ने स्विस मिडफील्डर मिरो मुहेम के साथ गेंद पर नियंत्रण के लिए हवा में छलांग लगाई, जिसके परिणामस्वरूप मुहेम को आत्मघाती गोल करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

नए कॉन्ट्रैक्ट के लिए ड्राफ्ट फाइनल

पाकिस्तान के खिलाड़ियों की बढ़ सकती है सैलरी

कराची ,एजेंसी। पाकिस्तान के 'ट्रैक ए' कैटेगरी (रेड बॉल) में सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों की मैच फीस और मंथली सैलरी में 2026/27 साइकल के लिए बढ़ोतरी होने वाली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक भरोसेमंद सूत्र ने बताया कि एक कमेटी, जिसमें व्हाइट बॉल और रेड बॉल के हेड कोच माइक हेसन और सरफराज अहमद शामिल हैं, ने नए कॉन्ट्रैक्ट के लिए ड्राफ्ट फाइनल कर लिए हैं।

उन्होंने कहा कि PCB ने उन खिलाड़ियों के लिए ज्यादा फाइनेंशियल रिवॉर्ड पर जोर दिया है जो 'ट्रैक ए' कैटेगरी में टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे। सूत्र ने कहा, 'उनकी मैच फीस लगभग 1.5 मिलियन PKR होने की उम्मीद है, जबकि टैक्स से पहले उनकी मंथली रिटेनर सैलरी 4 मिलियन क्काक्र के आसपास होगी। पहले के कॉन्ट्रैक्ट में खिलाड़ियों को टेस्ट मैच के लिए लगभग 800,000 PKR फीस मिलती थी।'

दिलचस्प बात यह है कि ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि PCB सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले खिलाड़ियों के नाम और कैटेगरी का खुलासा नहीं करेगा। पाकिस्तान क्रिकेट में ऐसा पहली बार होगा और बोर्ड की पहले ही इस बात के लिए आलोचना हो रही है। सूत्र ने बताया कि ए और बी कैटेगरी में कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले खिलाड़ियों (यानी टेस्ट और व्हाइट बॉल फॉर्मेट खेलने के लिए चुने गए खिलाड़ियों) को सबसे ज्यादा पैसे मिलेंगी, क्योंकि मैच फीस के अलावा उन्हें लगभग 4.8 से 5 मिलियन PKR का मंथली रिटेनर भी मिलेगा।

सूत्र ने कहा कि बोर्ड ने ICC और एशिया कप इवेंट जीतने पर नए फाइनेंशियल बोनस भी जोड़े हैं।

हर्षित राणा घुटने की चोट से उबरे

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे मे मिल सकता है खेलने का मौका

मुम्बई ,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कहा कि घुटने की चोट से उबर चुके तेज गेंदबाज हर्षित राणा को चेन्नई में होने वाले तीसरे एकदिवसीय के लिए भारतीय टीम के साथ जुड़ गए हैं। BCCI ने कहा, 'राणा ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) में अपना रिहैब पूरा कर लिया है और वह चेन्नई में भारतीय दल से जुड़ गए हैं। राणा को घुटने की यह चोट फरवरी 2026 में टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगी थी और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई और वह कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए IPL 2026 का हिस्सा नहीं बन पाए। राणा, इस भारतीय दल में 15वें सदस्य के रूप में हार्दिक पंड्या की जगह लेंगे। हार्दिक पैरों की चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर है। हालांकि भारत ने पहले दो एकदिवसीय के लिए हार्दिक की जगह किसी को भी दल में शामिल नहीं किया था। भारत ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ली है।

गंभीरता और सर्तकता के साथ करें, परीक्षा दायित्वों का निर्वहन

7 परीक्षा केन्द्रों में चाक चौबंद प्रबंधों के बीच होगी नीट परीक्षा

केन्द्राध्यक्ष, पुलिस एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटो की बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के 7 परीक्षा केन्द्रों पर 21 जून रविवार को अपरान्ह 2 बजे से 5:15 बजे तक नीट यूजी 2026 की परीक्षा चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच आयोजित की जाएगी। सतना के सात परीक्षा केन्द्रों में कुल 2912 परीक्षार्थी शामिल होंगें परीक्षा की गोपनीयता, संवेदनशीलता और उच्च महत्व को देखते हुये मजबूत सुरक्षा और लाजिस्टिकल व्यवस्था के बीच परीक्षा के सुचारू संचालन के उद्देश्य से सीईओं जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष, पुलिस अधिकारी तथा कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की आवश्यक बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। इस मौके पर एसडीएम सुमेश द्विवेदी,

लक्ष्यराम जांगडे, डिप्टी कलेक्टर संदीप परसते, तहसीलदार राजेश सिंह, सुजीत नागेश शैलेन्द्र बिहारी शर्मा, यादवेन्द्र मणि, केन्द्राध्यक्ष प्राचार्य कमलेश सिंह बघेल, डॉ. ए.के. पाण्डेय, गोपाल कृष्ण सेठ, राजकुमार विश्वकर्मा, रश्मि भट्नागर, नीलम सिंह भी उपस्थित रहे सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि नीट की परीक्षा अत्यंत संवेदनशील और उच्च महत्व की है। सभी परीक्षा कार्य में संलग्न अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता और सतर्कता के साथ करें। परीक्षा कार्य की सुचिता और पवित्रता को बनाये रखे। परीक्षा केन्द्रों में सुरक्षा व्यवस्था के सभी नार्म और परीक्षा आयोजन संबंधी दिशा निर्देशों का दृढता से पालन करें परीक्षा के नोडल सिंटी कोॅआर्डिनेटर सूर्यकान्त पाठक ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों में मोबाइल या किसी प्रकार का डिवाइस ले जाना शख्त प्रतिबंधित है परीक्षार्थियों की क्लोज कैंपस में फिक्सिंग की जाएगी परीक्षार्थियों को प्रात: 11 बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा, इसके साथ ही सभी जांच और परीक्षण के बाद दोपहर 1:30 बजे तक परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में निर्धारित टेबल पर बिठा दिया जाएगा परीक्षा ठीक 2 बजे प्रारंभ होकर शाम 5:15 बजे तक चलेगी इसके पहले पूर्ण सुरक्षा के साथ दोपहर 1:30 बजे प्रश्न पत्र परीक्षा केदो पर पहुंचाये जाएंगे इसी प्रकार परीक्षा संपन्न होने के पश्चात उत्तर पुस्तिकाओं को गहन सुरक्षा व्यवस्था के साथ नोडल केन्द्र तक पहुंचाया जाएगा इन गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम से मैपिंग और वीडियो ग्राफी की जाएगी यह गाड़ियां परीक्षा केंद्र से नोडल केंद्र तक बीच में कहीं रोकी नहीं जा सकेंगी। सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने कहा कि फोर्स का डिप्लॉयमेंट प्रात: 10 बजे तक पूरा हो जाए। इसके साथ ही सभी केंद्राध्यक्ष पानी छाया टॉयलेट, फर्स्ट एड सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायें सतना जिले में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल व्यंकट क्रमांक 1 सतना, शासकीय कन्या महाविद्यालय सतना, पीएम केंद्रीय विद्यालय नं. 1, पीएम केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2, पीएम एक्सीलेंस शासकीय ऑटोनॉमस पीजी कॉलेज, पीएम शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल सतना और पीएम शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल व्यंकट क्र.2 को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

RTO कार्यालय में बाबू देवेन्द्र चौधरी के ट्रांसफर निरस्तीकरण पर उठे सवाल, व्यवस्था पर चर्चा तेज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आरटीओ कार्यालय सतना में पदस्थ बाबू देवेन्द्र चौधरी का ट्रांसफर आदेश जारी होने के मात्र 24 घंटे के भीतर निरस्त हो जाने का मामला जिले में चर्चा का विषय बन गया है इस पूरे घटनाक्रम ने विभागीय कार्यप्रणाली और स्थानांतरण व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं जानकारी के अनुसार देवेन्द्र चौधरी पिछले लगभग एक दशक से सतना आरटीओ कार्यालय में पदस्थ बताए जा रहे हैं नियमानुसार किसी भी सरकारी कर्मचारी का एक स्थान पर कार्यकाल सीमित अवधि का होता है लेकिन लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थापना को लेकर अब चर्चाएं तेज हो गई हैं बताया जा रहा है कि यह उनका तीसरा स्थानांतरण आदेश था जिसे जारी होने के कुछ ही घंटों बाद निरस्त कर दिया गया। इस घटनाक्रम ने विभागीय स्तर पर निर्णय प्रक्रिया और प्रभावशाली पहुंच को लेकर बहस को जन्म दे दिया है। स्थानीय स्तर पर लोगों का कहना है कि जब स्थानांतरण जैसी सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया भी प्रभावित होती दिखे, तो इससे सिस्टम की पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। वहीं, कई लोग इसे प्रशासनिक नियमों के उल्लंघन से जोड़कर देख रहे हैं मामले को लेकर चर्चा यह भी है कि यदि नियमों के अनुसार किसी कर्मचारी का निर्धारित अवधि से अधिक एक ही स्थान पर बने रहना उचित नहीं है तो फिर ऐसे मामलों में कार्रवाई क्यों नहीं होती इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या संवैधानिक और प्रशासनिक नियम केवल आम कर्मचारियों या नागरिकों पर ही लागू होते हैं या फिर सभी के लिए समान रूप से प्रभावी हैं फिलहाल इस मामले को लेकर विभागीय स्तर पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है लेकिन ट्रांसफर निरस्तीकरण को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है और मामला सुर्खियों में बना हुआ है।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर उरई में किसान कांग्रेस की बैठक आशुतोष द्विवेदी ने किया संगठन विस्तार का आह्वान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के बुंदेलखंड प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने रविवार को जालौन जिले के उरई स्थित कांग्रेस कार्यालय में संगठनात्मक बैठक की अध्यक्षता की यह बैठक कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित की गई जिसमें पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया बैठक के दौरान आशुतोष द्विवेदी ने संगठन को मजबूत करने और किसान हितों की लड़ाई को तेज करने पर जोर दिया उन्होंने कहा कि गांव-गांव तक पहुंचकर हर किसान से जुड़ना और उनके हक की आवाज बनना ही हमारा कर्तव्य है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे किसानों

की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाएं और उन्हें सरकार तक प्रभावी तरीके से पहुंचाएं इस अवसर पर उन्होंने किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी अखिलेश शुक्ला के मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके निर्देशन में संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में बुंदेलखंड क्षेत्र में किसान कांग्रेस को हर गांव और हर पंचायत तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा बैठक में संगठन विस्तार सदस्यता अभियान और किसानों की समस्याओं को लेकर रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही यह भी तय किया गया कि क्षेत्रीय स्तर पर किसानों की समस्याओं जैसे सिंचाई, बिजली, फसल मूल्य और ऋण से जुड़ी समस्याओं को लेकर निरंतर आंदोलनात्मक कार्यक्रम चलाए जाएंगे इस मौके पर जालौन (उरई) कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण जिला अध्यक्ष अरविंद सिंह, शहर अध्यक्ष राजकुमार किसान कांग्रेस नेता मयंक पाठक, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव पवन पटेल, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष वैभव पांडेय, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शकुंतला तिवारी सहित बड़ी संख्या में किसान कांग्रेस कार्यकर्ता और कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मिलकर वृक्षारोपण किया और राहुल गांधी के जन्मदिन पर उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

बोनांजा कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन, 'निष्ठा एवं नैतिकता' विषय पर हुआ विशेष सत्र

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बोनांजा कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई के अंतर्गत एक दिवसीय शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य विषय निष्ठा एवं नैतिकता रहा जिसका उद्देश्य शिक्षकों में नैतिक मूल्यों पेशेवर आचरण एवं उत्तरदायित्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना था कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की प्राचार्या रश्मि वास्तव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ प्रशिक्षण सत्र में विशेषज्ञों के रूप में प्रदीप कुमार निगम एवं दीपक कुमार सिंह ने प्रतिभागी शिक्षकों को महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। दोनों विशेषज्ञों ने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और मूल्यों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को यह बताया गया कि एक शिक्षक केवल ज्ञान का स्रोत ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है इसीलिए शिक्षण प्रक्रिया में ईमानदारी अनुशासन और नैतिक मूल्यों का समावेश अत्यंत आवश्यक है इस अवसर पर प्राचार्या रश्मि वास्तव ने विद्यालय के डायरेक्टर

दिलीप अरोरा एवं चेयरमैन गौरव अरोरा के सतत मार्गदर्शन सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए विशेष आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इससे शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार आता है विद्यालय के चेयरमैन गौरव अरोरा ने भी प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षकों के नैतिक मूल्यों को मजबूत करने के साथ-साथ उनके शिक्षण कौशल को भी और अधिक प्रभावी बनाते हैं उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का प्रत्यक्ष लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा और उनके सर्वांगीण विकास में सहायता होगी उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिक्षक अपने शिक्षण कार्य में नैतिकता ईमानदारी और सकारात्मक दृष्टिकोण को और अधिक प्रभावी रूप से अपनाएंगे जिससे विद्यालय का शैक्षिक स्तर और ऊँचा होगा साथ ही उन्होंने भविष्य में भी ऐसे उपयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नियमित आयोजन पर बल दिया कार्यक्रम के सफल आयोजन में मैडम प्रिंसी सिंह, राघवेंद्र सिंह सहित समस्त स्टाफ का विशेष योगदान सराहनीय रहा प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों ने आयोजन की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए आभार व्यक्त किया।

परिवहन व यातायात विभाग का संयुक्त चेकिंग अभियान, 39 बसों की जांच में वसूला गया राजस्व

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। 19 जून 2026 को परिवहन आयुक्त एवं जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग सतना द्वारा संयुक्त रूप से विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया यह अभियान माननीय सुप्रीम कोर्ट की सड़क सुरक्षा गाइडलाइन के अनुपालन में संचालित किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य यात्री बसों की सुरक्षा व्यवस्था एवं नियमों के पालन की जांच करना था अभियान के दौरान कुल 39 बसों की सघन जांच की गई जांच में 10 बसों में आंशिक कमियां पाए जाने पर संबंधित बस संचालकों से कुल ?10,000 का राजस्व वसूल किया गया विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही नियमों के उल्लंघन को लेकर आवश्यक कार्रवाई की इसके साथ ही स्कूल बस संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे अपने वाहनों में सभी अनिवार्य दस्तावेज जैसे परमिट, फिटनेस, बीमा एवं प्रदूषण प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से रखें। साथ ही बसों में फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र चालक एवं परिचालक की वर्दी तथा नेम प्लेट का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए अधिकारियों ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है इसलिए स्कूल बसों का संचालन पूरी तरह से नियमों के अनुरूप होना चाहिए किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर आगे और सख्त कार्रवाई की जाएगी इस विशेष चेकिंग अभियान में परिवहन विभाग से देवेंद्र चौधरी, मनोज गौतम एवं रामस्वरूप मिश्रा शामिल रहे वहीं यातायात विभाग से एएसआई नरेंद्र मिश्रा, जयप्रकाश शाह एवं गोपाल शर्मा ने भी संयुक्त रूप से कार्रवाई में भाग लिया अधिकारियों ने बताया कि ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे जिससे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके और आमजन की सुरक्षा को मजबूती दी जा सके।

मां की उपस्थिति में ईशान चोपड़ा ने तीसरी बार किया रक्तदान, समाज को दिया मानवता और सेवा का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रक्तदान को महादान की भावना के साथ साकार करते हुए युवा रक्तवीर ईशान चोपड़ा ने अपनी माता मोना चोपड़ा की प्रेरणा एवं उपस्थिति में तीसरी बार स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज को मानवता और सेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भी उनके इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय बताया ईशान चोपड़ा ने कहा कि माता-पिता के संस्कार ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता ने सदैव उन्हें सेवा, सहयोग और जरूरतमंदों की सहायता करने की सीख दी जिसके कारण वह निरंतर रक्तदान जैसे महान कार्य से जुड़े हुए हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से रक्तदान

करें क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचा सकता है उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है हर स्वस्थ व्यक्ति को आगे आकर इस पुनीत कार्य में भाग लेना चाहिए, जिससे समाज में जीवन बचाने की भावना और मजबूत हो सके इस अवसर पर रक्त प्रेरक एवं सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने रक्तदाता ईशान चोपड़ा तथा उनकी माताश्री मोना चोपड़ा का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि जब परिवार से सेवा और संस्कार मिलते हैं तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन निश्चित रूप से आता है उन्होंने यह भी कहा कि मां की उपस्थिति में किया गया यह रक्तदान मातृशक्ति के प्रेरणादायी योगदान का सुंदर उदाहरण है कार्यक्रम में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. अंकिता पांडे आशीष तिवारी, अंकित सिंह बघेल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे सभी ने रक्तदाता के इस कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया अंत में उपस्थित सभी लोगों ने ईशान चोपड़ा के इस निरंतर सेवा भाव की प्रशंसा की और अधिक से अधिक युवाओं से रक्तदान करने की अपील की ताकि जरूरतमंदों को समय पर जीवनरक्षक सहायता मिल सके।

सतना एयरपोर्ट: 36.96 करोड़ की लागत से बना प्रोजेक्ट, नियमित उड़ानें ठप, संचालन पर सवाल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विंध्य क्षेत्र के व्यापार और पर्यटन को नई गति देने के उद्देश्य से विकसित किया गया सतना एयरपोर्ट अब एक बार फिर चर्चा में है भारतीय विमानन प्राधिकरण द्वारा लगभग 36.96 करोड़ की लागत से तैयार इस एयरपोर्ट का विकास क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए किया गया था 31 मई 2025 को प्रधानमंत्री द्वारा वर्चुअल लोकार्पण के बाद पीएम पर्यटन वायु सेवा के अंतर्गत सतना से भोपाल और इंदौर के लिए हवाई सेवाओं की शुरुआत की गई थी शुरुआत में इस पहल को क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना गया जिससे व्यापार पर्यटन और आवागमन में तेजी आने की उम्मीद जताई गई थी हालांकि कुछ समय बाद ही नियमित उड़ान सेवाएं बंद हो जाने से यह महत्वाकांपरियोजना फिलहाल ठप स्थिति में है उड़ानों के रुकने के कारण स्थानीय स्तर पर लोगों में निराशा देखी जा रही है क्योंकि इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास की बड़ी उम्मीदें जुड़ी हुई थीं इसके बावजूद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था तकनीकी स्टाफ और अन्य प्रशासनिक संसाधनों की तैनाती बनी हुई है जिसके चलते प्रतिमाह लाखों रुपये का खर्च लगातार जारी बताया जा रहा है इससे परियोजना की उपयोगिता और संचालन व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं स्थानीय लोगों और जानकारों का कहना है कि जब किसी बड़े निवेश से तैयार की गई सुविधा का नियमित उपयोग नहीं हो पा रहा हो तो यह संसाधनों के बेहतर प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है फिलहाल एयरपोर्ट के भविष्य और उड़ानों के पुन: संचालन को लेकर कोई स्पष्ट आधिकारिक समयसीमा सामने नहीं आई है। ऐसे में यह परियोजना एक बार फिर चर्चा का विषय बनी हुई है और इसके प्रभावी संचालन को लेकर उम्मीदें बनी हुई हैं।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी परांजपे का भव्य स्वागत, सैकड़ों महिलाओं ने किया अभिनंदन

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मां शारदा की पावन नगरी मैहर में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी परांजपे के आगमन पर भव्य एवं उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। जिले के प्रवेश द्वार जीतनगर में भाजपा जिला मंत्री एवं जिला पंचायत सदस्य जयंती महेश तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उनका आत्मीय अभिनंदन किया इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी परांजपे का पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें मैहर आगमन पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में पहुंचीं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई स्वागत समारोह के दौरान भाजपा महिला मोर्चा की संगठनात्मक गतिविधियों,

विस्तार कार्य एवं महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर विस्तृत चर्चा की गई इस दौरान महिलाओं ने संगठन को और अधिक मजबूत करने तथा महिला सशक्तिकरण को लेकर अपने विचार भी साझा किए पूरे कार्यक्रम में उत्साह जोश और संगठनात्मक एकता का माहौल देखने को मिला। विभिन्न क्षेत्रों से आई सैकड़ों महिलाओं की उपस्थिति ने महिला मोर्चा की जमीनी मजबूती और सक्रियता को प्रदर्शित किया प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी परांजपे के स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और भविष्य में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस भव्य आयोजन ने भाजपा महिला मोर्चा की संगठनात्मक शक्ति को उजागर किया और मैहर में महिलाओं की सक्रिय राजनीतिक भागीदारी को और सशक्त करने का संदेश दिया।

सोहावल के बराखुर्द में प्राकृतिक खेती पर कार्यशालाएं आयोजित किसानों को योजनाओं और तकनीकों की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के विशेष अभियान के तहत सतना एवं मैहर जिलों में प्राकृतिक खेती के विस्तार को लेकर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया सतना जिले के विकासखण्ड सोहावल अंतर्गत ए.के.एस. यूनिवर्सिटी सतना में आयोजित कार्यशाला में किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया तथा रसायन मुक्त कृषि के लाभों पर प्रकाश डाला गया कार्यशाला में महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत सीईओ

शैलेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष जिला पंचायत सुस्मिता सिंह, जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, किसान मोर्चा के कृष्णा पाण्डेय सहित उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय, पूर्व महापौर ममता पाण्डेय, पूर्व विधायक ऊषा चौधरी, डॉ. हर्षवर्धन श्रीवास्तव एवं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक उपस्थित रहे इसी क्रम में मैहर जिले की ग्राम पंचायत बराखुर्द में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला का शुभारंभ विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी द्वारा किया गया। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए प्राकृतिक खेती के महत्व पर जोर दिया और रसायन मुक्त कृषि अपनाकर मिट्टी की उर्वरता एवं स्वास्थ्य सुधारने की अपील की इस अवसर पर किसानों को तिल के बीज की मिनी किट भी वितरित की गई जिससे उन्हें प्रोत्साहन मिल सके कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राम खेलावन कोल, कृषि स्थाई समिति के दीपक सिंह बघेल, सहायक संचालक कृषि अमित पाण्डेय सहित कृषि वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे कार्यशालाओं में विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती की तकनीकों, जैविक संसाधनों के उपयोग एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों पर विस्तार से जानकारी दी अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।